राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार 12 अक्टूबर 2024 वर्ष–7,अंक–260 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जेपी सेंटर जाने पर अड़े अखिलेश, घर के बाहर बैरिकेडिंग

लखनऊ। जय प्रकाश नरायण की जयंती की पूर्व संध्या पर गुरुवार देर शाम लखनऊ में राजनीतिक सरगरमी बढ़ गई। सुरक्षा को देखते हुए पुलिस ने गोमती नगर स्थित जेपीएनआईसी बिल्डिंग का सुरक्षा घेरा बढ़ा दिया है।

जेपीएनआईसी के गेट के बाहर टिन शेड खड़े कर दिए गए हैं।शेड पर लिखा गया है कि बिल्डिंग निर्माणाधीन है। उधर,इसकी जानकारी होने पर रात करीब रात 11.30 बजे सपा अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव जेपीएनआईसी बिल्डिंग पहुंच गए। अखिलेश यादव ने इसका विरोध जताया। उन्होंने यूपी सरकार पर जमकर हमला बोला। अखिलेश ने कहा कि महान नेता जयप्रकाश नारायण की जयंती पर उन्हें सम्मान देने नहीं दे रही और यह कोई पहली बार नहीं हो रहा है। हर वर्ष जयप्रकाश नारायण की जयंती के दिन समाजवादी लोग यहां इकट्ठा होते थे। उनका माल्यार्पण करते थे। उनका सम्मान करते थे। अपने विचार रखते थे। वह महान नेता जिन्होंने संपूर्ण क्रांति का नारा दिया और उस समय की सरकार के सामने झुका नहीं। एक समय ऐसा भी आया कि उसकी संपूर्ण क्रांति की वजह से देश में परिवर्तन हुआ। यहां सोशलिस्टों का म्यूजियम है। जयप्रकाश की प्रतिमा लगी है। टीन शेड लगाकर सरकार आखिरकार क्या छिपाना चाहती है। दीवारों से विचारधाराएं नहीं रोकी जा सकती हैं।

महादेव सट्टा ऐप का प्रमोटर सौरभ चंद्राकर दुबई में गिरफ्तार

–इंटरपोल के अधिकारियों ने पकड़ा ; 7 दिन के अंदर लाया जा सकता है भारत

रायपुर। महादेव सट्टा ऐप का संचालन करने वाले सौरभ चंद्राकर को इंटरपोल के अधिकारियों ने दुबई से गिरफ्तार कर लिया है। दुबई की पुलिस और स्थानीय फोर्स के साथ मिलकर सीबीआई और ईडी के अधिकारियों ने सौरभ चंद्राकर से जुड़ी हर डिटेल इंटरपोल को दी थी। 7 दिन के अंदर भारत लाया जा सकता है। बताया जा रहा है कि गिरफ्तारी के बाद इंटरपोल के अफसर ने भारतीय विदेश मंत्रालय को खबर दी है। अब सौरभ चंद्राकर को भारत और फिर जल्द ही रायपुर लाने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए दस्तावेजी काम अफसर जल्द से जल्द निपटा रहे हैं। प्रवर्तन निदेशालय सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक लंबे वक्त से अधिकारी दुबई में अपनी पहचान छुपाकर रुके हुए थे। सौरभ चंद्राकर के ठिकानों के आसपास अधिकारी नजर रख रहे थे। इसके बाद मौका मिलते ही सौरभ चंद्राकर को गिरफ्तार कर लिया गया है।

हरियाणा सीएम का शपथ समारोह 15 को

–शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री भी होंगे शामिल

पंचकूला।हरियाणा के नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह 15 अक्टूबर को होगा। नायब सैनी ही दूसरी बार सीएम पद की शपथ लेंगे। इसके लिए पंचकूला के सेक्टर 5 में स्थित परेड ग्राउंड में तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। यहां स्टेज बना ली गई है। इसके साथ सडक़ों को ठीक किया जा रहा है। स्टेडियम को पेंट भी किया जा रहा है। कार्यक्रम में 50 हजार लोग आएंगे। सीएम के शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा अमित शाह और राजनाथ समेत कई केंद्रीय मंत्री और भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री भी शामिल होंगे। समारोह की तैयारियों के लिए पंचकूला के डीसी की अगुआई में कमेटी बना दी गई है। इससे पहले यह शपथ ग्रहण समारोह 12 अक्टूबर को होने वाला था, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के देश से बाहर होने के चलते कार्यक्रम को टाल दिया गया।

144 यात्रियों को शारजाह ले जा रहे विमान के हाइड्रॉलिक सिस्टम में आई खराबी, त्रिची एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतरा

तिरुचिरापल्ली । एयर इंडिया एक्सप्रेस के एक विमान को हाइड्रोलिक समस्याओं के बाद तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली हवाई अड्डे पर इमरजेंसी का ऐलान कर सुरक्षित उतारा गया। विमान में 144 यात्री सवार थे। करीब सवा तीन घंटे विमान हवा में रहा। जानकारी के अनुसार विमान ईंधन खाली करने के लिए हवाई क्षेत्र में चक्कर काट रहा था। इसके बाद विमान की सुरक्षित लेंडिंग कराई गयी। एयरपोर्ट पर आपातकालीन लैंडिंग की तैयारी कर ली गई थी। दमकल की गाड़ियां और एम्बुलेंस तैयार रखी गई थीं। जानकारी के अनुसार शाम को 4.45 पर उड़ने के बाद ही विमान में खराबी आ गयी और विमान आसमान में मंडराता रहा। आपातकालीन लैंडिंग के लिए सिंग्नल की प्रतिक्षा करता रहा। इस दौरान विमान में सवार यात्रियों के परिजनों की सांसें अटकी रहीं। हालाँकि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। शारजाह की ओर जा रही फ्लाइट, एएक्सबी 613 ने तिरुचिरापल्ली से उड़ान भरने के तुरंत बाद हाइड्रोलिक में खराबी की सूचना दी थी। यह विमान त्रिची के दक्षिण में 4000 फीट पर चक्कर काट रहा था। एयरपोर्ट पर आपातकाल की घोषणा की गई। सभी संबंधित सभी अधिकारियों को सूचित किया गया था। आपातकालीन लैंडिंग के बाद सभी यात्रियों को निकलकर सुरक्षित जगह शिफ्ट किया गया।

देशभर में उत्साह का माहौल

शस्त्र पूजा के साथ ही आज मनाया जाएगा दशहरा पर्व

नई दिल्ली (एजेंसी)। दशहरा असत्य पर सत्य की विजय का पर्व है। इसे अबूझ मुहूर्तों में से एक माना जाता है। इस कारण दशहरा के दिन विवाह करने से लेकर गृह प्रवेश जैसे शुभ कार्य करने का विशेष महत्व होता है। इस वर्ष दशहरा पर्व संपूर्ण भारत में शनिवार, 12 अक्टूबर को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। जानकारी अनुसार दशमी तिथि सुबह 10:58 बजे से प्रारंभ होगी और दूसरे दिन 13 अक्टूबर को दशमी तिथि का समापन सुबह 9:08 बजे होगा। श्रवण नक्षत्र प्रातः 5:25 बजे शुरू होगा।

इस प्रकार इस वर्ष दशहरा की तिथि 12 अक्टूबर को सुबह 10:58 बजे से प्रारंभ हो रही है जो 13 अक्टूबर को सुबह 09: 08 बजे समाप्त होगी। इस स्थिति में दशहरा पर्व 12 अक्टूबर को बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।

इस वर्ष दशहरा पर सर्वार्थ सिद्धि योग एवं श्रवण नक्षत्र का विशेष संयोग बना है, जो इसे और अधिक शुभ बनाता है। सर्वार्थ सिद्धि योग 12 अक्टूबर को प्रातः 5:25 बजे से 13 अक्टूबर को प्रातः 4:27 बजे तक रहेगा। श्रवण नक्षत्र भी इसी अवधि में रहेगा, जो पूजा और धार्मिक कार्यों के लिए अतिउत्तम शुभ फलदायक माना जाता है। दशहरा पर पूजा का शुभ मुहूर्त दोपहर 2:02 बजे से 2:48 बजे तक है। दशहरा पर शस्त्र पूजा का अपना एक विशेष महत्व है। वहीं शमी और अपराजिता वृक्ष की पूजा का भी अपना विधान है। मान्यता अनुसार दशहरा पर नीलकंठ पक्षी के दर्शन करना भी शुभ माना जाता है। इसे समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक माना जाता है। यह पर्व न केवल धर्म की जीत का पर्व है, बल्कि बुराई के अंत और अच्छाई के प्रसार का संदेश भी हमें देता है।

संभ्रुता का सम्मान, विश्व को शांति का ज्ञान, लाओस की दो दिवसीय यात्रा समाप्त कर भारत के लिए रवाना हुए पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लाओ पीडीआर के वियनतियाने की अपनी यात्रा के दूसरे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लिया। शिखर सम्मेलन के दौरान उन्होंने न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और थाईलैंड के प्रधानमंत्री पैटोंगटार्न शिनावात्रा से मुलाकात की। उन्होंने लाओ पीडीआर के राष्ट्रपति थोंगला सिसोलिथ और प्रधानमंत्री सोनेक्से सिपांडोने के साथ भी बैठक की। प्रधानमंत्री अब भारत के लिए रवाना हो चुके हैं।

पीएम मोदी ने 21वें आसियान-भारत और 19वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन की सफलतापूर्वक मेजबानी करने के लिए लाओस के प्रधानमंत्री को बधाई दी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक पोस्ट में कहा कि भारत और लाओस के बीच साझेदारी को नई गति दी गई।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लाओस के प्रधानमंत्री सोनेक?साय सिपानदोन ने दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से सार्थक चर्चा की, जिसमें विरासत संरक्षण और पुनरुद्धार, विकास साझेदारी, क्षमता निर्माण, आर्थिक संबंध, रक्षा, संस्कृति और दोनों देशों की जनता के स्तर पर संबंध सहित कई मुद्दों पर चर्चा की गई।

विदेश मंत्रालय की ओर से जारी किए गए बयान में बताया गया कि दोनों देशों के प्रधानमंत्री ने भारत और लाओस के बीच सभ्यतागत और समकालीन संबंधों को और मजबूत करने पर सार्थक बातचीत की। उन्होंने विकास साझेदारी, क्षमता निर्माण, आपदा प्रबंधन, नवीकरणीय ऊर्जा, विरासत पुनरुद्धार, आर्थिक संबंध, रक्षा सहयोग और दोनों देशों की जनता के स्तर पर संबंध जैसे द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न क्षेत्रों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री सिपानदोन ने लाओ पीडीआर में 'तूफान यागी' के कारण आई बाढ़ के दौरान भारत की ओर से दी गई सहायता के लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया।

नोएल टाटा बने टाटा ट्रस्ट्स के नए चेयरमैन

*** रतन टाटा के सौतेले भाई हैं ट्रस्ट्स के नए अध्यक्ष**

नई दिल्ली (एजेंसी)। नोएल टाटा को टाटा ट्रस्ट्स का नया अध्यक्ष नियुक्त कर दिया गया है। बुधवार को रतन टाटा के निधन के बाद मुंबई में शुक्रवार को हुई बैठक मेंरतन टाटा के सौतेले भाई नोएल टाटा को नया चेयरमैन बना दिया गया। सभी की सहमति से नोएल टाटा समूह के दो सबसे महत्वपूर्ण धर्मार्थ संस्थाओं सर रतन टाटा ट्रस्ट और सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट के प्रमुख नियुक्त कर दिए गए हैं। इससे पहले वे इन संस्थाओं में ट्रस्टी के तौर पर शामिल थे।

टाटा ट्रस्ट को बनाने में रतन टाटा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और अब उनके न रहने पर उनके सौतेले भाई नोएल टाटा को टाटा ट्रस्ट्स का चेयरमैन नियुक्त कर दिया गया है। गौरतलब है कि टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस्स में टाटा ट्रस?ट की एक बड़ी हिस्सेदारी है। इसमें लगभग 66 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। इसी टाटा ट्रस्ट के अंतर्गत टाटा समूह संचालित किया जाता है।

जहां तक नोएल टाटा का सवाल है तो इन्होंने ससेक्स यूनिवर्सिटी, यूके और इनसीड में इंटरनेशनल एग्जीक्यूटिव प्रोग्राम (आईईपी) से पढ़ाई की थी। अब नोएल टाटा को सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट के 11वें चेयरमैन और सर रतन टाटा ट्रस्ट के 6वें चेयरमैन के तौर जाना जाएगा। सभी की सहमति से उन्हें चेयरमैन नियुक्त किया गया है।

गौरतलब है कि बुधवार रात करीब 11 बजे रतन टाटा का मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में निधन हो गया था। उनका अंतिम संस्कार गुरुवार को किया गया। इसके बाद शुक्रवार को मुंबई में आयोजित बैठक में सौतेले भाई नोएल टाटा का टाटा ट्रस्ट का चेयरमैन नियुक्त कर दिया गया।

जिस इलाके में तैनात हैं भारतीय सैनिक, इजरायल के टैंकों ने बोला हमला, मोदी सरकार की तरफ से आया बड़ा रिएक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने दक्षिण लेबनान में तैनात संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों की सुरक्षा पर चिंता व्यक्त की है। वे क्षेत्र में हिजबुल्लाह ठिकानों पर इजरायली बलों की गोलीबारी का शिकार हो गए थे। विशेष रूप से, 600 भारतीय सैनिक लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन का हिस्सा हैं, और इज़राइल-लेबनान सीमा पर 120 किलोमीटर लंबी ब्लू लाइन पर तैनात हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम ब्लू लाइन पर बिगड़ती सुरक्षा स्थिति को लेकर चिंतित हैं। हम स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र परिसर की हिंसा का सभी को सम्मान करना चाहिए और उचित कदम उठाने चाहिए। संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों की सुरक्षा और उनके जनादेश की पवित्रता सुनिश्चित करें।

विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि संयुक्त राष्ट्र परिसरों की पवित्रता का सभी को सम्मान करना चाहिए तथा संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों की सुरक्षा और उनके कार्यक्षेत्र की शुचिता सुनिश्चित करने के लिए उचित उपाय किए जाने चाहिए। लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षण मिशन लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूएनआईएफआईएल) ने 10 अक्टूबर को एक बयान में कहा कि ब्लू लाइन पर हाल में तनाव बढ़ने से दक्षिण लेबनान में कस्बों और गांवों में व्यापक विनाश हो रहा है। बयान में आरोप लगाया गया, पिछले दिनों में, हमने नकौरा और अन्य क्षेत्रों में लेबनान में इजराइल की ओर से घुसपैठ देखी है। इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) के सैनिकों ने लेबनान में हिजबुल्ला के तत्वों के साथ संघर्ष किया है।

यूएनआईएफआईएल के प्रवक्ता ने बताया, वे इंडोनेशियाई नागरिक हैं। इंडोनेशिया भी यूएनआईएफआईएल में सैनिकों का एक प्रमुख योगदानकर्ता है। पूरे मामले पर अमेरिका की तरफ से भी प्रतिक्रिया आई है। व्हाइट हाउस ने कहा कि हम बहुत चिंतित हैं। हम जानते है कि इजरायल हिजबुल्लाह के बुनियादी ढांचे के खात्मे के लिए ब्लू लाइन के पास लक्षित अभियान चला रहा है। यह भी जरूरी है कि वह संयुक्त राष्ट्र शांति दूतों की सुरक्षा को खतरा न डाले।

दिल्ली में सीएम हाउस पर सियासत का हुआ अंत! आतिशी को आवंटित किया गया बंगला, पीडब्ल्यूडी ने सौंपी चाबी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में मुख्यमंत्री आवास को लेकर सियासत का अंत होता दिखाई दे रहा है। आज आधिकारिक तौर पर लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी को 6, फ्लैगस्टाफ रोड पर सिविल लाइंस आवास आवंटित किया है। लोक निर्माण विभाग के उप सचिव (आवंटन) के एक आधिकारिक आदेश में कहा कि आबंटन निदेशक, लोक निर्माण विभाग, एनसीटी दिल्ली सरकार की माननीय मुख्यमंत्री सुश्री आतिशी को निम्नलिखित लोक निर्माण विभाग जनरल पूल बंगले की पेशकश करते हुए प्रसन्न हैं।

पत्र में आगे कहा गया है कि मुख्यमंत्री को अधिसूचना जारी होने के आठ दिनों के भीतर बंगले की स्वीकृति जमा करनी होगी, वहीं आतिशी को आधिकारिक आवास पर कब्जा करने के 15 दिनों के भीतर वह आवास खाली करना होगा जिसमें वह वर्तमान में रह रही हैं। इससे पहले शुक्रवार को, आम आदमी पार्टी (आप) ने तस्वीरें साझा कीं, जिसमें आतिशी अपने कालकाजी आवास पर अपने सामान के पैक डिब्बों से घिरी हुई फाइलों पर हस्ताक्षर करती दिख रही हैं। इससे एक दिन पहले पार्टी ने दावा किया था कि उनसे राष्ट्रीय राजधानी में 6, फ्लैग स्टाफ रोड बंगले को ÷जबरन खाली÷ कराया गया था।

अमेरिका में तबाही का तूफान: 30 लाख लोगों के घरों में नहीं है बिजली, हजारों ने घर छोड़ा,फिर भी बिछ गईं लाशें

वाशिंगटन। अमेरिका के दक्षिण पूर्व में स्थित फ्लोरिडा में 300 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आए तूफान हरिकेन मिल्टन ने जमकर तबाही मचाई है। यहां 30 लाख लोगों के घरों की बिजली गुल हो गई है और हजारों लोगों ने सुरक्षा के कारणों से अपना घर छोड़ दिया है। तमाम ऐतिहात के बाद भी यहां अब तक 14 लोगों की मौत हो गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जो बाइडेन प्रशासन ने राहत और बचाव का काम तेज कर दिया है। इस वद?त बाढ़ में फंसे लोगों को निकालने का काम जारी है। अमेरिकी गृह सुरक्षा सचिव एलेजांद्रो मेयरकास ने व्हाइट हाउस ब्रीफिंग में कहा कि अब तक 14 लोगों की मौत की रिपोर्ट है, उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि ये मौतें बवंडर के कारण हुई हैं। उन्होंने कहा कि फ्लोरिडा में कम से कम 27 बवंडर आए। फ्लोरिडा के पूर्वी तट पर सेंट लूसी में बवंडर की एक सीरीज ने पांच लोगों की जान ले ली। इनमें दो बुजुर्ग शामिल हैं। शहर में जगह-जगह टूटे हुए पेड़, बिजली के खंभे नजर आए। ये बवंडर कितने ताकतवर थे इस बात का सबूत खाई में पलटे दिखे ट्रकों ने दिया। 37 साल की क्रिस्टल कोलमैन और उनकी 17 साल की बेटी तूफान के दौरान बाथरूम में छिप गईं क्योंकि बवंडर ने उनके लेकवुड पार्क के घर की छत को उखाड़ना शुरू कर दिया था। उनका कहना है कि वो ऐसा महसूस कर रहे थे कि कोई मूवी चल रही है। हम मरने वाले हैं। 30 लाख से ज?यादा लोग अभी भी बवंडर के कारण अंधेरे में रहने को मजबूर हैं।

देश में है एक ऐसा खतरनाक इलाका जहां आए दिन होते हैं अपराध!

*** दो लाख की आबादी में एक भी सीसीटीवी कैमरा नहीं**

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब के लुधियाना में शेरपुर इलाके के फौजी कॉलोनी, दीप नगर और रंजीत नगर में करीब दो लाख से ज्यादा लोग रहते हैं। इस इलाके में अवैध वेहड़ों की संख्या बढ़ती जा रही है। एक-एक वेहड़े में 200 से 400 लोग रहते हैं, जो ज्यादातर प्रवासी हैं। खास बात यह है कि यहां रहने वाले ज्यादातर लोगों का पुलिस वेरिफिकेशन नहीं हुआ है। ये सभी क्षेत्र थाना मोती नगर के अंतर्गत आते हैं। इस इलाके में अपराध की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है जिससे लोग परेशान हैं। मंगलवार को 4 साल की बच्ची से दुष्कर्म के बाद उसे कंबल में लपेट कर नीचे फेंक देने की घटना के बाद भी आरोपी का अभी तक कुछ पता नहीं चल पाया है। फॉरेंसिक टीम वेहड़े के हर कमरे से सैंपल ले रही है। पुलिस थाना मोती नगर से मिली जानकारी के अनुसार बीते एक महीने थाने में 25 केस दर्ज किए गए हैं जिनमें चोरी के तीन, लूट के 7, धोखाधड़ी के 9 व अन्य मामले शामिल हैं। दो लाख की आबादी की सुरक्षा के लिए सिर्फ 20 पुलिसकर्मी तैनात हैं। इनमें 4 महिला पुलिस कर्मी हैं। यहां सीसीटीवी कैमरे लगाने का प्रोजेक्ट 2021 में बनाया गया था, जो अभी तक फाइलों में ही दफन है। इसलिए इस इलाके में जब भी अपराध होता है तो आरोपियों को पकड़ने में मुश्किल होती है। कई मामलों में तो अपराधी पकड़े भी नहीं जाते हैं। पिछले ही दिनों एक सूटकेस में लाश मिली थी उसकी गुत्थी अब तक नहीं सुलझी है। क्योंकि पुलिस और प्रशासन गंभीर नजर नहीं आ रहा है। वहीं मंगलवार को 5 साल की बच्ची से दुष्कर्म के बाद छत से फेंक कर आरोपी फरार हो गया।

2021 में कांग्रेस सरकार ने इस इलाके में सीसीटीवी कैमरे लगाने का प्रस्ताव तैयार किया था, जिसकी लागत सिर्फ एक करोड़ रुपए थी लेकिन, सरकार बदलने के बाद ये योजना अधर में लटक गई। एसीपी ने बताया कि उन्होंने बार-बार सीसीटीवी कैमरे लगाने की बात की है, लेकिन कोई प्रगति नहीं हुई। वहीं नगर निगम की लापरवाही से यहां अवैध रूप से तीन-चार मंजिला वेहड़े बनाए गए हैं, जिनका कमर्शियल इस्तेमाल किया जा रहा है। एक रहवासी ने बताया कि 15 दिन पहले नशेड़ियों ने घेरकर एक युवक पर हमला किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो भी साझा किया लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। रेलवे लाइन के पास जब ट्रेन रुकती है, तब अपराधी यात्रियों से लूटपाट करके वेहड़ों में छिप जाते हैं। मोतीनगर थाना एसएचओ का कहना है कि नाइट ड्यूटी में सात पुलिसकर्मी तैनात रहते हैं। इनमें से 4 पीसीआर ड्यूटी पर रहते हैं, जबकि 3 थाने में रहते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दशहरा शक्ति की साधना, कर्म एवं नवसृजन का पर्व

लेखक- ललित गर्ग

(दशहरा पर्व 12 अक्टूबर 2024 पर विशेष)

भारतीय त्योहार एवं मेले जहां संस्कृति के अभिन्न अंग हैं वहीं प्रेरणाओं से भी जुड़े हैं। एक ऐसा ही अनूठा पर्व है दशहरा। भारत के लगभग सभी भागों में दशहरे का पर्व एक महान् उत्सव के रूप में मनाया जाता है, जिसे विजयदशमी भी कहा जाता है। यह पर्व बुराइयों से संघर्ष का प्रतीक पर्व है, यह पर्व देश की सांस्कृतिक चेतना एवं राष्ट्रीयता को नवऊर्जा देने का भी पर्व है। आज भी अंधेरों से संघर्ष करने के लिये इस प्रेरक एवं प्रेरणादायी पर्व की संस्कृति को जीवंत बनाने की जरूरत है। बहुत कठिन है यह बुराइयों से संघर्ष करने का सफर। बहुत कठिन है तेजस्विता की यह साधना। बहुत जटिल है स्व-अस्तित्व एवं स्व-पहचान को ऊंच शिखर देना। आखिर कैसे संघर्ष करें घर में छिपी बुराइयों से, जब हर घर आंगण में रावण-ही-रावण पैदा हो रहे हो, चाहे भ्रष्टाचार के रूप में हो, चाहे राजनीतिक अपराधीकरण के रूप में, चाहे साम्प्रदायिक विद्वेष फैलाने वालों के रूप में हो, चाहे राष्ट्र को तोड़ने वाले आतंकवाद के रूप में हो, चाहे शिक्षा, चिकित्सा एवं न्याय को व्यापार बनाने वालों के रूप में। यह उत्सव प्रतिवर्ष मनाते हुए जहां शक्ति की कामना की जाती है, वहीं राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों की ओर ध्यान खींचा जाता है। इससे नई प्रेरणा, नई ताजगी, नई शक्ति एवं नई दिशाएं मिलती है।

दशहरा भारत का 'राष्ट्रीय त्योहार' है। रामलीला में जगह-जगह रावण वध का प्रदर्शन होता है। क्षत्रियों के यहाँ शस्त्र की पूजा होती है। ब्रज के मन्दिरों में इस दिन विशेष दर्शन होते हैं। इस दिन नीलकंठ का दर्शन बहुत शुभ माना जाता है। यह त्योहार क्षत्रियों का माना जाता है। इसमें अपराजिता देवी की पूजा होती है। यह पूजन भी सर्वसुख देने वाला है। दशहरा या विजयादशमी नवरात्रि के बाद दसवें दिन मनाया जाता है। भगवान श्रीराम शक्ति की देवी मां दुर्गा के भक्त थे, उन्होंने युद्ध के दौरान पहले नौ दिनों तक मां दुर्गा की पूजा की, इसके बाद भाई लक्ष्मण, भक्त हनुमान, और बंदरों की सेना के साथ एक बड़ा युद्ध लड़कर दसवें दिन दुष्ट रावण का वध किया। सीता को छुड़ाया। इसलिए विजयादशमी बुराई पर अच्छाई, असत्य पर सत्य और अंधकार पर प्रकाश का एक बहुत ही प्रेरणा का पर्व है। इस दिन रावण, उसके भाई कुम्भकर्ण और पुत्र मेघनाद के पुतले खुली जगह में जलाए जाते हैं।

दशहरा पर्व कृषि उत्सव के रूप में भी मनाया जाता है। भारत कृषि प्रधान देश है। जब किसान अपने खेत में सुनहरी फसल उगाकर अनाज रूपी संपत्ति घर लाता है तो उसके उल्लास और उमंग का पारावार नहीं रहता। महाराष्ट्र में इस अवसर पर सिलंगण के नाम से सामाजिक महोत्सव के रूप में भी इसको मनाया जाता है। भारत के अतिरिक्त अन्य देशों में भी राजाओं के युद्ध प्रयाण के लिए यही ऋतु निश्चित एवं सर्वाधिक अनुकूल थी। शमी पूजा भी प्राचीन है। वैदिक यज्ञों के लिए शमी वृक्ष में उगे अश्वत्थ (पीपल) की दो टहनियों (अरणियों) से अग्नि उत्पन्न की जाती थी। अग्नि शक्ति एवं साहस की द्योतक है, शमी की लकड़ी के कुंदे अग्नि उत्पत्ति में सहायक होते हैं। जहाँ अग्नि एवं शमी की पवित्रता एवं उपयोगिता की ओर मंत्रसिक्त संकेत हैं। इस उत्सव का सम्बंध नवरात्र से भी है क्योंकि इसमें महिषासुर के विरोध में देवी के साहसपूर्ण कृत्यों का भी उल्लेख होता है और नवरात्र के उपरांत ही यह उत्सव होता है।

दशहरा शक्ति की साधना, कर्म एवं पूजा का भी पर्व है। इसी दिन लोग नया कार्य प्रारम्भ करते हैं, शस्त्र-पूजा की जाती है। प्राचीन काल में राजा लोग इस दिन विजय की प्रार्थना कर रण-यात्रा के लिए प्रस्थान करते थे। भगवान श्रीराम की विजय के रूप में मनाया जाए अथवा दुर्गा पूजा के रूप में, दोनों ही रूपों में यह शक्ति-पूजा का पर्व है, शस्त्र पूजन की तिथि है। दशहरा का पर्व दस प्रकार के पापों- काम, क्रोध, लोभ, मोह मद, मत्सर, अहंकार, आलस्य, हिंसा और चोरी के परित्याग की सद्प्रेरणा प्रदान करता है। आज दशहरा का पर्व मनाते हुए सबसे बड़ी जरूरत भीतर के रावण को जलाने की है। क्योंकि ईमानदार प्रयत्नों का सफर कैसे बढ़े आगे जब शुरूआत में ही लगने लगे कि जो काम मैं अब तक नहीं कर सका, भला दूसरों को भी हम कैसे करने दें? कितना बौना चिन्तन है आदमी के मन का कि मैं तो बुरा हूं ही पर दूसरा भी कोई अच्छा न बने। इस बौने चिन्तन के रावण को जलाना जरूरी है।

दशहरे का सांस्कृतिक पहलू भी है। यह देश की सांस्कृतिक एकता और अखण्डता को जोड़ने का पर्व भी है। इस वर्ष का विजयादशमी पर्व इसलिये विशेष है, क्योंकि इस पर्व की सकारात्मक क्रांतिकारी ऊर्जा से न केवल राष्ट्र में सक्रिय नकारात्मक एवं अराष्ट्रीय ताकतों को सख्त संदेश दिया जाना है बल्कि पडौसी पाकिस्तान-चीन आदि देशों की कुचेष्टाओं के लिये ललकारा एवं सावधान भी किया जाना है। आजादी के अमृत काल में राष्ट्र को शताब्दी वर्ष के लिये सशक्त किया जाना है। मूलभूत आस्थाओं एवं राष्ट्रीयता के दृढ़ीकरण के साथ देश में जो नई चेतना आई है, वह एक शक्तिशाली नेतृत्व का जीवंत साक्ष्य है। राष्ट्रीयता, स्व-पहचान, स्वदेशी-भावना, हिन्दू-संस्कृति के ऊर्जा के अक्षय स्रोतों की खोज में जो प्रयत्न किया जा रहा है, वह अभूतपूर्व है। जन-आकांक्षा के अनुरूप राष्ट्र को जिस युगीन परिवेश में प्रस्तुति दी जा रही है, वह असाधारण है।

दशहरा शक्ति की साधना, कर्म, नवसृजन एवं पूजा का भी पर्व है। पिछले आठ दशकों में लगातार हिन्दू-संस्कृति को कमजोर करने की राजनीतिक चालें होती रही है। दरअसल हिन्दू धर्म नहीं, विचार है, संस्कृति है। हिन्दू राष्ट्र होने का अर्थ धर्म से न होकर हिन्दू संस्कृति के सर्वग्राही भाव से है। हिन्दू संस्कृति उदारता का अन्तर्निहित शंखनाद है क्योंकि पूरे विश्व में यह अकेली संस्कृति है जो बहुविचारवाद यानी सभी धर्म, विचार एवं संस्कृतियों को स्वयं में समेटे हैं। चार्वाक जैसे भौतिकवादी विचारक को भी इस देश ने ऋषि की उपाधि दी गई जिसने कहा था कि 'ऋणं कृत्व घृतं पीवेत' अर्थात जो भी है वह आज है, कल किसने देखा है इसलिए आज को भरपूर ढंग से जीना चाहिए और कर्जा लेकर भी अगर यह करना पड़े तो करना चाहिए। इसके साथ ही हमारे ऋषियों ने हमें यह उपदेश भी दिया कि 'सत्यं बूर्यात न बूर्यात सत्यं अप्रियं' अर्थात सच बोलो मगर कड़वा सच मत बोलो।

हिन्दू संस्कृति की यही महानता और विशेषता रही है कि प्रिय सत्य की वकालत तो करती है मगर इसके कटु होने पर निषेध करने को भी कहती है। यह हिन्दू संस्कृति अहिंसा की संस्कृति है पर जरूरत पड़ने पर शस्त्र उठाकर स्व-रक्षा की बात भी कहती है। हिन्दू शब्द से ही स्वराष्ट्र का बोध होता है जो कि हिन्दू संस्कृति के वृहद स्वरूप का ही सौपान है। इसी विचारधारा को बल देने का सशक्त माध्यम है विजयादशमी पर्व। मराठा रत्न शिवाजी ने भी औरंगजेब के विरुद्ध इसी दिन प्रस्थान करके हिन्दू धर्म का रक्षण किया था। भारतीय इतिहास में अनेक उदाहरण हैं जब हिन्दू राजा इस दिन विजय-प्रस्थान करते थे। ऐसा माना गया है कि शत्रु पर विजय पाने के लिए इसी समय प्रस्थान करना चाहिए। इस दिन श्रवण नक्षत्र का योग और भी अधिक शुभ माना गया है।

स्कंदपुराण के अनुसार गंगा दशहरे के दिन व्यक्ति को किसी भी पवित्र नदी पर जाकर स्नान, ध्यान तथा दान करना चाहिए। इससे वह अपने सभी पापों से मुक्ति पाता है। इस गंगा दशहरे पर स्वयं को पापों को धोने के साथ-साथ जरूरत जन-जन के मनों को भी मांजने की है। जरूरत उन अंधेरी गलियों को बुहारने की है ताकि बाद में आने वाली पीढ़ी कभी अपने लक्ष्य से न भटक जाये। जरूरत है सत्य की तलाश शुरू करने की जहां न तर्क हो, न सन्देह हो, न जल्दबाजी हो, न ऊहापोह हो, न स्वार्थों का सौदा हो और न दिमागी बैशाखियों का सहारा हो। वहां हम स्वयं सत्य खोजें। मनुष्य मनुष्य को जोड़े। दशहरा एक चुनौती बनना चाहिए उन लोगों के लिये जो अकर्मण्य, आलसी, निठल्ले, हताश, सत्वहीन बनकर सिर्फ सफलता की ऊंचाइयों के सपने देखते हैं पर अपनी दुर्बलताओं को मिटाकर नयी जीवनशैली की शुरूआत का संकल्प नहीं स्वीकारते। दशहरे का उत्सव धर्म की रक्षा,शक्ति का प्रदर्शन और शक्ति का समन्वय का प्रतीक है। इसके अलावा दशहरा नकारात्मक शक्तियों के ऊपर सकारात्मक शक्तियों के जीत का प्रतीक है।

संपादकीय

बेमिसाल उद्यमी

देश के एक उज्ज्वलतम उद्यमी रतन नवल टाटा की विदाई से जो शून्य बना है, उसकी पूर्ति कभी नहीं हो पाएगी। उनके चले जाने से जो शोक की लहर उठी है, वह दुर्लभ है। पूंजीवाद के गलाकाट दौर में एक रतन टाटा होना क्या मायने रखता है, यह अपने आप में आर्थिक और समाजशास्त्रीय अध्ययन का विषय है। ऐसे उद्यमी किस माटी से बनते हैं? उन्हें किन जीवन मूल्यों की जरूरत होती है? ऐसे उद्यमियों को कौन सा शिक्षा संस्थान सीखा-पढ़ाकर तैयार करता है? नमक से लेकर बस तक आप टाटा के उत्पाद गिनते चले जाएंगे और कहीं भी आपको निराशा का एहसास नहीं होगा। जिस दौर में देश के ज्यादातर युवा उद्यमी अरबपति बनते ही विदेश जा बसने को लालायित हैं, वहीं यह याद रखना चाहिए कि रतन टाटा विदेश से पढ़कर लौटे, तो अपने देश के होकर रह गए। इसी देश से कमाया, तो इसी देश को लौटाया। आज के युवाओं को यह बात गांठ बांध लेनी चाहिए, जो रतन टाटा कह गए हैं, 'अगर आप तेज चलना चाहते हैं, तो अकेले चलिए और अगर बहुत आगे जाना चाहते हैं, तो साथ चलिए।' रतन टाटा की व्यावसायिक भावभूमि को समझना होगा। एडम स्मिथ ने दुनिया को पूंजीवाद समझाया, तो कार्ल मार्क्स व फ्रेडरिक एंजेल्स ने साम्यवाद का पाठ पढ़ाया, पर गांधीजी ने दोनों में से कुछ-कुछ लेकर अपना 'हिंद स्वराज' गढ़ा। इसी 'हिंद स्वराज' के ईर्दगिर्द भारत में अनेक आला कंपनियों ने आजाद भारत को अभावों से निकालकर आगे ले जाने का जोश-जज्बा-जुनून दिखाया। यह कैसे भुला दिया जाए कि जब गांधीजी ने अंग्रेजों के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका में बिगुल बजाया, तब भारत से मदद करने वालों में टाटा परिवार सबसे आगे था। यह समृद्ध इतिहास है कि स्वतंत्रता सेनानियों की खूब मदद करने वाले जमशेदजी रतनजी दादाभाई टाटा ने अपनी छत्रछाया में ही अपने योग्यतम भतीजे रतन नवल टाटा को सिखाया और आगे बढ़ाया था। रतन टाटा ने अपने उद्यम के किसी भी मोड़ पर अपनी कंपनी या देश को निराश नहीं किया। ऐसा अक्सर देखा गया है कि कोई उद्यमी कंपनी को ठीक से संभालता है, तो देश उसके लिए प्राथमिक नहीं रह जाता, पर रतन टाटा जो संतुलन साधकर चले हैं, वह हमेशा मिसाल रहेगा। वह जानते थे कि यह देश संभावनाओं से भरपूर है और कहते थे, 'मैंने अक्सर महसूस किया है, भारतीय बाघ को अभी आजाद नहीं किया गया है।' कैसे भुला दिया जाए कि जब कोरोना की डेल्टा लहर देश में रोज सैकड़ों लोगों की बलि ले रही थी; जब अनेक उद्यमी सौ का सामान हजार में बेच रहे थे, तब रतन टाटा उत्पादन रोककर देश को ऑक्सीजन देने में जुटे थे? एक उद्योग समूह और एक बेहद अमीर परिवार को कैसे समर्पण भाव से साथ लेकर आगे बढ़ा जाता है, यह रतन टाटा बखूबी सिखा गए हैं। विगत दशकों में हमने अनेक योग्य उद्यमियों को अपनी कंपनी पर कब्जा जमाते, बादशाहत दर्शाते देखा है, पर ध्यान रहे, व्यक्तिगत रूप से रतन टाटा के पास अपनी कंपनी का एक प्रतिशत शेयर भी नहीं था। उनके नेतृत्व में टाटा समूह नित नई बुलंदियों पर चढ़ता चला गया। विशाल टाटा परिवार उत्तराधिकारी खोज लेगा, पर रतन टाटा की विरलता सदैव प्रतिमान रहेगी। वह कहते थे, 'जिस दिन मैं उड़ने में सक्षम न रहूंगा, वह दिन मेरे लिए सबसे दुखद होगा।' दुर्भाग्य, वह दिन आ गया, पर उनको याद करने की सार्थकता इसी में है है कि उनकी व्यापक विरासत को विस्तार दिया जाए।

शक्ति-पूजा का पर्व है दशहरा

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

(12 अक्टूबर पर विशेष)

भारतीय संस्कृति वीरता की पूजक व शौर्य की उपासक है। व्यक्ति और समाज के रक्त में वीरता प्रकट हो इसलिए दशहरे का उत्सव रखा गया है। भारत कृषि प्रधान देश है। जब किसान अपने खेत में फसल उगाकर अनाज घर लाता है तो उसके उल्लास और उमंग का पारावार नहीं रहता। इस प्रसन्नता के लिये वह भगवान की कृपा को मानता है और उसे प्रकट करने के लिए उनका पूजन करता है। भारतवर्ष में यह पर्व विभिन्न प्रदेशों में विभिन्न प्रकार से मनाया जाता है।

दशहरा शब्द हिंदी के दो शब्दों दस और हारा से मिलकर बना है। जहां दस गणित के अंक दस (10) और हारा शब्द पराजित का सूचक है। इसलिए यदि इन दो शब्दों को जोड़ दिया जाए तो दशहरा बनता है। जो उस दिन का प्रतीक है जब दस सिर वाले दुष्ट रावण का भगवान राम ने वध किया था। दशहरा अथवा विजयदशमी पर्व को भगवान राम की विजय के रूप में मनाया जाए अथवा दुर्गा पूजा के रूप में। दोनों ही रूपों में यह शक्ति-पूजा का पर्व है। शस्त्र पूजन की तिथि है। हर्ष और उल्लास तथा विजय का पर्व है।

दशहरा भारत के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। इसी दिन भगवान राम ने बुराई के प्रतीक दस सिर वाले रावण का संहार किया था तो देवताओं को हराकर स्वर्ग पर अधिकार करने वाले महिषासुर का 10 दिन तक चले भयंकर युद्ध के बाद मां दुर्गा ने वध किया था। इसीलिये इसको विजयादशमी के नाम से जाना जाता है। अश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को इसका आयोजन होता है। इसे असत्य पर सत्य की विजय के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन लोग नया कार्य प्रारम्भ करते हैं। इस दिन शस्त्र-पूजा की जाती है। इस दिन जगह-जगह मेले लगते हैं। रामलीला का समापन होता है। रावण का विशाल पुतला बनाकर उसे जलाया जाता है।

कर्नाटक में मैसूर का दशहरा भी पूरे भारत में प्रसिद्ध है। मैसूर में दशहरे के समय पूरे शहर की गलियों को रोशनी से सज्जित किया जाता है और हाथियों का श्रृंगार कर पूरे शहर में एक भव्य जुलूस निकाला जाता है। इस समय प्रसिद्ध मैसूर महल को दीपमालिकाओं से दुल्हन की तरह सजाया जाता है। इसके साथ शहर में लोग टार्च लाइट के संग नृत्य और संगीत की शोभायात्रा का आनंद लेते हैं। पंजाब में दशहरा नवरात्रि के नौ दिन का उपवास रखकर मनाते हैं। इस दौरान यहां आगंतुकों का स्वागत पारम्परिक मिठाई और उपहारों से किया जाता है। यहां भी रावण-दहन के आयोजन होते हैं व मैदानों में मेले लगते हैं। हिमाचल प्रदेश में कुल्लू का दशहरा बहुत प्रसिद्ध है। अन्य स्थानों की ही भांति यहां भी दस दिन अथवा एक सप्ताह पूर्व इस पर्व की तैयारी आरंभ हो जाती है। स्त्रियां और पुरुष सभी सुंदर वस्त्रों से सज्जित होकर ढोल, नगाड़े, बांसुरी आदि वाद्य यंत्रो को लेकर बाहर निकलते हैं। पहाड़ी लोग अपने ग्रामीण देवता का धूम धाम से जुलूस निकाल कर पूजन करते हैं। देवताओं की मूर्तियों को बहुत ही आकर्षक पालकी में सुंदर ढंग से सजाया जाता है। साथ ही वे अपने मुख्य देवता रघुनाथ जी की भी पूजा करते हैं। इस जुलूस में प्रशिक्षित नर्तक नटी नृत्य करते हैं। इस प्रकार जुलूस बनाकर नगर के मुख्य भागों से होते हुए नगर परिक्रमा करते हैं और कुल्लू नगर में देवता रघुनाथजी की वंदना से दशहरे के उत्सव का आरंभ करते हैं। दशमी के दिन इस उत्सव की शोभा निराली होती है।

महाराष्ट्र में नवरात्रि के नौ दिन मां दुर्गा को समर्पित रहते हैं जबकि दसवें दिन ज्ञान की देवी सरस्वती की वंदना की जाती है। इस दिन विद्यालय जाने वाले बच्चे अपनी पढ़ाई में आशीर्वाद पाने के लिए मां सरस्वती के तांत्रिक चिह्नों की पूजा करते हैं। किसी भी चीज को प्रारंभ करने के लिए खासकर विद्या आरंभ करने के लिए यह दिन काफी शुभ माना जाता है। महाराष्ट्र के लोग इस दिन विवाह, गृह-प्रवेश एवं नये घर खरीदने का शुभ मुहूर्त समझते हैं। महाराष्ट्र में इस अवसर पर सिलंगण के नाम से सामाजिक महोत्सव के रूप में भी इसको मनाया जाता है। बस्तर में दशहरे के मुख्य कारण को राम की रावण पर विजय ना मानकर लोग इसे मां दंतेश्वरी की आराधना को समर्पित एक पर्व मानते हैं। दंतेश्वरी माता बस्तर अंचल के निवासियों की आराध्य देवी हैं जो दुर्गा का ही रूप हैं। यहां यह पर्व पूरे 75 दिन चलता है। यहाँ दशहरा श्रावण मास की अमावस से आश्विन मास की शुक्ल त्रयोदशी तक चलता है। बस्तर में यह समारोह लगभग 15वीं शताब्दी से शुरु हुआ था। इसका समापन अश्विन शुक्ल त्रयोदशी को ओहाड़ी पर्व से होता है।

गुजरात में मिट्टी सुशोभित रंगीन घड़ा देवी का प्रतीक माना जाता है और इसको कुंवारी लड़कियां सिर पर रखकर एक लोकप्रिय नृत्य करती हैं जिसे गरबा कहा जाता है। गरबा नृत्य इस पर्व की शान है। पुरुष एवं स्त्रियां दो छोटे रंगीन डंडों को संगीत की लय पर आपस में बजाते हुए घूम घूम कर नृत्य करते हैं। इस अवसर पर भक्ति, फिल्म तथा पारम्परिक लोक-संगीत सभी का समायोजन होता है। पूजा और आरती के बाद डांडिया रास का आयोजन पूरी रात होता रहता है। नवरात्रि में सोने और गहनों की खरीद को शुभ माना जाता है।

बंगाल, ओडिशा और असम में यह पर्व दुर्गा पूजा के रूप में ही मनाया जाता है। यह बंगालियों, ओडिया, और आसमिया लोगों का सबसे महत्वपूर्ण त्योहार है। बंगाल में दशहरा पूरे पांच दिनों के लिए मनाया जाता है। ओडिशा और असम मे चार दिन तक त्योहार चलता है। यहां देवी दुर्गा को भव्य सुशोभित पंडालों में विराजमान करते हैं। देश के नामी कलाकारों को बुलवा कर दुर्गा की मूर्ति तैयार करवाई जाती हैं। इसके साथ अन्य देवी द्वेवताओं की भी कई मूर्तियां बनाई जाती हैं।

यहां दशमी के दिन विशेष पूजा का आयोजन किया जाता है। प्रसाद चढ़ाया जाता है और प्रसाद वितरण किया जाता है।

(चिंतन-मनन)

अनंत शक्तियों का स्वामी हैं हमारा मन

हमें यह बात हमेशा ध्यान में रखना चाहिए कि मन का परमात्मा के साथ घनिष्ठ संबंध है। मन और ब्रह्म दो भिन्न वस्तुएं नहीं हैं। ब्रह्म ही मन का आकार धारण करता है। अत- मन अनंत और अपार शक्तियों का स्वामी है। मन स्वयं पुरुष है एवं जगत का रचयिता है। मन के अंदर का संकल्प ही बाह्य जगत में नवीन आकार ग्रहण करता है। जो कल्पना चित्र अंदर पैदा होता है, वही बाहर स्थूल रूप में प्रकट होता है। सीधी-सी बात है कि हर विचार पहले मन में ही उत्पन्न होता है और मनुष्य अपने विचार के आधार पर ही अपना व्यवहार निश्चित करता है। अगर मन में विचार ही न हों तो फिर क्रियान्वयन कहां से आएगा। शायद इसीलिए कहा गया है कि मन के जीते जीत है और मन के हारे हार। मन का स्वभाव संकल्प है। मन के संकल्प के अनुरूप ही जगत का निर्माण होता है। वह जैसा सोचता है, वैसा ही होता है। मन जगत का सुप्त बीज है। संकल्प द्वारा उसे जागृत किया जाता है।

यही बीज, पहाड़, समुद्र, पृथ्वी और नदियों से मुक्त संसार रूपी वृक्ष उत्पन्न करता है। यही जगत का उत्पादक है। सत्, असत् एवं सदसत् आदि मन के संकल्प हैं। मन ही लघु को विभु और विभु को लघु में परिवर्तित करता रहता है। मन में सृजन की अपार संभावनाएं स्वयं द्वारा ही निर्मित की हुई हैं। मन स्वयं ही स्वतंत्रतापूर्वक शरीर की रचना करता है। देहभाव को धारण करके वह जगत् रूपी इंद्रजाल बुनता है। इस निर्माण प्रक्रिया में मन का महत्वपूर्ण योगदान है। मन का चिंतन ही उसका परिणाम है। यह जैसा सोचता है और प्रयत्न करता है, वैसा ही उसका फल मिलता है। मन के चिंतन पर ही संसार के सभी पदार्थों का स्वरूप निर्भर करता है। दृढ़ निश्चयी मन का संकल्प बड़ा बलवान होता है। वह जिन विचारों में स्थिर हो जाता है, परिस्थितियां वैसी ही विनिर्मित होने लगती हैं। जैसा हमारा विचार होता है, वैसा ही हमारा जगत् ।

विचार मंथन

चुनाव आयोग के एक नोटिस से कपकपा गई कांग्रेस

(लेखक- सनत जैन)

हरियाणा विधानसभा के चुनाव परिणाम में गड़बड़ियों को लेकर कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश और प्रवक्ता पवन खेड़ा ने हरियाणा में चुनाव आयोग द्वारा घोषित परिणामों को अस्वीकार किया था। मतगणना के दौरान और चुनाव परिणाम आने के बाद यह कहा गया था, कि धीमी काउंटिंग और ईवीएम मशीन में की गई गड़बड़ी के कारण कांग्रेस की हार हुई। चुनाव आयोग को तथ्यों के साथ शिकायत करने की बात भी कही गई थी। चुनाव आयोग को जो शिकायत कांग्रेस पार्टी की ओर से की गई थी, उसके बाद चुनाव आयोग द्वारा एक नोटिस कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को दिया गया। उस नोटिस के मिलने के बाद कांग्रेस ने अपना रुख बदल दिया है। हरियाणा विधानसभा चुनाव में हुई हार को लेकर कांग्रेस की जो उच्च स्तरीय बैठक हुई, इस बैठक में यह निर्णय लिया गया, कि कांग्रेस ईवीएम मशीन और बैटरी पर ठीकरा नहीं फोड़ेगी। कांग्रेस हार के कारणों की तलाश करेगी। जब तक कांग्रेस को चुनाव में गड़बड़ी के पुख्ता सबूत नहीं मिल जाते हैं, तब तक वह ईवीएम मशीन के मुद्दे पर शांत रहेंगे। पिछले कई महीनो से चुनाव आयोग की भूमिका, ईवीएम की मशीन कंट्रोल यूनिट तथा मत पर्चियों की गिनती को लेकर एडीआर से लेकर सुप्रीम कोर्ट के वकीलों द्वारा कई आंदोलन, प्रदर्शन और न्यायालय में लड़ाई लड़ी है। पहले भी कांग्रेस ने इस मामले में चुप्पी साध ली थी। फार्म 17 सी को लेकर भी चुनाव के पहले कई बार बात हुई। चुनाव आयोग पर मतदान का डाटा पूर्व की तरह उपलब्ध नहीं कराने के आरोप लगाए गए थे। एडीआर ने लोकसभा के चुनाव में 89 सीटों पर हुई गड़बड़ी को लेकर तथ्यों के साथ जो शिकायत चुनाव आयोग में की थी, उसका जवाब चुनाव आयोग ने आज दिनांक तक नहीं दिया है। हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान भी जो गड़बड़ियां हुई हैं, उसके संबंध में जांच कराने के स्थान पर जिस तरह से चुनाव आयोग के सामने समर्पण करने का रास्ता अख्तियार किया है, उसकी देशभर में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हो रही है। समर्पण करने के बाद कांग्रेस को बहुत बड़ा नुकसान होना तय माना जा रहा है। चुनाव आयोग, केंद्र सरकार के इशारे पर काम करता है। इसके आरोप कई बार लग चुके हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस की शिकायतों को चुनाव आयोग ने कचरे के डिब्बे में डाल दिया था। किसी शिकायत पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। चुनाव आचार संहिता का खुले रूप से उल्लंघन होता रहा। चुनाव के पश्चात सबूतों के साथ जो शिकायत की गई। उस पर चुनाव आयोग ने चुप्पी साध ली। आरोप है कि चुनाव आयोग शिकायतकर्ताओं को नोटिस भेजकर, डराकर चुनाव में मनमानी कर रहा है। हरियाणा के चुनाव में तीन बार पोर्टल में मतदान का डाटा बदला गया। हरियाणा की 90 विधानसभा सीटों पर लगभग 14 लाख मतदाता बढ़ा दिए गए। मतगणना के दौरान कई घंटे तक चुनाव आयोग का पोर्टल अपग्रेड नहीं हुआ। जो जानकारी चुनाव आयोग 2014 और 2019 में अपग्रेड कर रहा था, उसे भी चुनाव आयोग ने अपलोड करना बंद कर दिया है। 17 सी की जानकारी चुनाव आयोग द्वारा पोर्टल में नहीं डाली जा रही है। हरियाणा के वर्तमान विधानसभा चुनाव में भाजपा के विरोध की लहर चल रही थी। जनता इस चुनाव को लड़ रही थी। जब इस चुनाव में इतने बड़े पैमाने पर गड़बड़ी हुई है। इस पर कांग्रेस पार्टी का चुप्पी साध लेना, आम जनता और मतदाताओं को निराश करने वाला निर्णय है। आम जनता के मन में राहुल गांधी को लेकर एक नया विश्वास जागृत हुआ है। जनता की लड़ाई राहुल गांधी अच्छे तरीके से लड़ेंगे। इस पर जनता को विश्वास होने लगा है। लोकतंत्र की रीढ़ की हड्डी चुनाव आयोग है। जब वही ठीक तरह से काम नहीं करेगा, तो लोकतंत्र किस तरह से सुरक्षित रह पाएगा। कांग्रेस पार्टी वर्तमान स्थिति में लड़ने से पीछे हटेगी, तो ऐसी स्थिति में आम जनता का भरोसा राहुल गांधी और कांग्रेस के ऊपर जो बन रहा था, वह भरोसा टूटने में देर नहीं लगेगी। भाजपा अथवा सरकार के खिलाफ जो भी बोलता था, उस पर मानहानि का मुकदमा लगाकर उनको डराया और धमकाया जा रहा था। ईड़ी और सीबीआई का सहारा लिया जा रहा था। अब चुनाव आयोग भी लगभग उसी राह पर चल पड़ा है। राजनीतिक दलों से विचार विमर्श किए बिना चुनाव आयोग मनमानी कर रहा है। इसके पहले कभी इस तरीके की मनमानी चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली में देखने को नहीं मिली। वर्तमान स्थिति में कांग्रेस का यह कहना, कि वह ईवीएम मशीन और चुनाव आयोग पर हार का ठीकरा नहीं फोड़ेगी। खुद अपने गिरेबान में झांककर अपने आप को सुधारने की कोशिश करेगी। इसका एक ही मतलब है, कांग्रेस ने चुनाव आयोग के सामने अपने हथियार डालकर एक तरह से समर्पण कर दिया है। यह स्थिति कांग्रेस, देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और संविधान को बचाए रखने की दिशा में जो लड़ाई शुरू हुई थी, उस लड़ाई को बहुत बड़ा धक्का लगना तय है।

भारत डीपीआई के उपयोग से जुड़े अपने अनुभव आसियान देशों से साझा करेगा

विएंतियान ।

भारत आधार और यूपीआई जैसे डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे (डीपीआई) के इस्तेमाल से जुड़े अपने अनुभव और ज्ञान को आसियान देशों के साथ साझा करेगा। एक संयुक्त वक्तव्य में हाल ही में यह जानकारी दी गई। इसके अलावा शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कृषि एवं जलवायु परिवर्तन में विविध चुनौतियों का समाधान करने के लिए सहयोग की संभावना भी तलाशी जाएगी। विएंतियान में आयोजित 21वें भारत-आसियान शिखर सम्मेलन के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य में दोनों पक्षों ने कहा कि वे नवाचारी डिजिटल समाधानों के जरिये आसियान और भारत में भुगतान प्रणालियों के बीच सीमापार संबंधों के सहयोग की संभावना तलाशेंगे। दोनों पक्षों ने क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए आसियान-भारत व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने पर एक संयुक्त बयान भी जारी किया।बयान में क्षेत्र में शांति, स्थिरता, समुद्री सुरक्षा एवं संरक्षा, समुद्री परिवहन और उड़ान की स्वतंत्रता तथा समुद्र के अन्य वैध उपयोगों को बनाए रखने और बढ़ावा देने के महत्व की पुष्टि की गई। इसमें निर्बाध वैध समुद्री वाणिज्य और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान को बढ़ावा देना शामिल है। इस शिखर सम्मेलन को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी संबोधित किया। मोदी ने कहा कि डिजिटल परिवर्तन और हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए हमने जो दो संयुक्त वक्तव्य अपनाए हैं, वे भविष्य में हमारे सहयोग के लिए आधार तैयार करेंगे। इस शिखर सम्मेलन में आसियान के 10 सदस्य देशों के नेताओं ने शिरकत की। यह सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है जब क्षेत्र दक्षिण चीन सागर में समुद्री मुद्दों और म्यांमा में संकट को लेकर फिलिपीन और चीन के बीच तनाव देख रहा है।

ट्रंप का आरोप- भारत सबसे अधिक शुल्क लगाने वाला देश

वाशिंगटन ।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सत्ता में आने पर पारस्परिक कर लगाने का संकल्प लेते हुए आरोप लगाया कि सभी प्रमुख देशों में से भारत विदेशी उत्पादों पर सबसे अधिक शुल्क लगाता है। ट्रम्प ने डेट्रायट में प्रमुख आर्थिक नीति पर अपने भाषण में कहा कि शायद अमेरिका को फिर से असाधारण रूप से समृद्ध बनाने की मेरी योजना का सबसे महत्वपूर्ण तत्व पारस्परिकता है। यह एक ऐसा शब्द है जो मेरी योजना में बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि हम आम तौर पर शुल्क नहीं लगाते हैं। मैंने वह प्रक्रिया शुरू की थी वैन तथा छोटे ट्रक आदि के साथ वह बहुत बढ़िया थी। हम वास्तव में शुल्क नहीं लगाते हैं। चीन 200 प्रतिशत शुल्क लगाएगा। ब्राजील बड़ा शुल्क वसूलता है। हालांकि इनमें से सबसे अधिक शुल्क भारत लेता है। उन्होंने कहा कि भारत बहुत अधिक शुल्क लेता है। भारत के साथ हमारे बहुत अच्छे संबंध हैं। मेरे भी हैं। खास तौर पर नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ। वे एक महान नेता हैं। महान व्यक्ति हैं। वास्तव में महान व्यक्ति हैं। उन्होंने बहुत बढ़िया काम किया है, लेकिन वे शायद काफी शुल्क लेते हैं। ट्रम्प की यह टिप्पणी इस सप्ताह की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा के बाद आई है। ट्रंप ने मोदी को सबसे अच्छा इंसान करार देते हुए भारतीय नेता को अपना मित्र बताया था। अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रम्प ने कहा था कि मोदी के साथ उनके बहुत अच्छे संबंध हैं।

ड्रैगन पर शिकंजा! अब सरकार जब्त करेगी 252 करोड़, 10 गुना जुर्माना भी

कंपनी भारत में अवैध तरीके से कर्ज वितरित कर रही थी

नई दिल्ली।

चालाक चीन ने अपने देश की कंपनियों पर सरकार की नजर टेढ़ी होने पर भारत में कारोबार करने का दूसरा रास्ता तलाश लिया। अब वह दूसरे देशों की कंपनियां अपने कंट्रोल में लेकर देश में कारोबार चला रहा था, लेकिन खुलासा होते ही सरकार ने उस पर शिकंजा कस दिया। अब न सिर्फ इस कंपनी के 252 करोड़ रुपये जब्त किए जाएंगे, बल्कि इसका 10 गुना जुर्माना भी वसूला जाएगा। यह कंपनी भारत में अवैध तरीके से कर्ज वितरित कर रही थी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बताया है कि चीनी व्यक्तियों के नियंत्रण वाली नॉर्वे की कंपनी की भारतीय इकाई से 252 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की जाएगी। यह आदेश कर्ज देने के अवैध तरीके से काम करने वाले मोबाइल ऐप कैशबीन के खिलाफ फेमा जांच के तहत दिया गया है।

प्रवर्तन निदेशालय ने कहा कि 7 अक्टूबर को पीसी फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (पीसीएफएस) के खिलाफ विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत आदेश जारी किया गया था। जब्ती के साथ ही कंपनी पर 2,146 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना भी लगाया गया है। ईडी ने बताया कि पीसीएफएस नॉर्वे स्थित ओपेरा ग्रुप की सहायक कंपनी है। इसका नियंत्रण चीनी मालिकों के पास है। यह अपने मोबाइल ऐप कैशबीन के जरिये भारत में लोगों को पैसा उधार देने के कारोबार में शामिल है। जांच एजेंसी के अनुसार, पीसीएफएस ने अपने संबंधित विदेशी समूह की कंपनियों को सॉफ्टवेयर लाइसेंस और सेवाओं के आयात की आड़ में 429.30 करोड़ रुपये भेजे, जो फर्जी पाया गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने फरवरी, 2022 में पाया था कि पीसीएफएस कर्ज लेने वालों से 'गैर-पारदर्शी' तरीके से अत्यधिक ब्याज दर और अन्य शुल्क वसूल रही थी. साथ ही कर्ज लेने वालों से वसूली को लेकर आरबीआई और सीबीआई के प्रतीक चिन्ह का गलत रूप से उपयोग कर रही थी, जो निष्पक्ष व्यवहार संहिता का उल्लंघन है। ईडी ने कहा कि आरबीआई ने कंपनी के पंजीकरण प्रमाणपत्र को रद्द कर दिया और इस पर गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थान के रूप में कार्य करने पर भी रोक लगा दी। जांच एजेंसी ने सबसे पहले 2021 में 252.36 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त करने का आदेश दिया था। बाद में इस आदेश को उचित प्राधिकार ने फेमा के तहत फरवरी, 2022 में मंजूरी दी थी।

बाजार में अगले हफ्ते भी दिखाई दे सकती है गिरावट!

- चीन करने जा रहा बड़ा खेल, निवेशकों के डूब सकते हैं लाखों करोड़ रुपए

नई दिल्ली ।

घरेलू शेयर बाजार में अगले सप्ताह भी गिरावट के साथ कारोबार देखा जा सकता है। बताया जा रहा है कि चीन अगले हफ्ते बड़ा खेल करने वाला है, जिसका सीधा असर भारतीय बाजार और निवेशकों पर दिख सकता है। ऐसा इसलिए कहा जा रहा क्योंकि पिछले सप्ताह भारतीय बाजार में आई गिरावट की वजह भी चीन ही था। ऐसे में एक बार फिर चीन वही काम दोहराने जा रहा है, जो उसने पिछले महीने किया था। जाहिर है कि इस आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता कि इस बार भी चीन का यह दांव भारतीय निवेशकों पर भारी पड़ सकता है। ब्लूमबर्ग ने 23 दिग्गज निवेशकों पर किए सर्वे के बाद दावा किया है कि चीन सरकार अगले सप्ताह 283 अरब डॉलर (करीब 24 लाख करोड़ रुपये) का राहत पैकेज जारी करने वाला है. इससे पहले सितंबर में चीन ने 12 लाख करोड़ रुपये का राहत पैकेज जारी किया था, जिसके बाद शंघाई स्टॉक एक्सचेंज का मार्केट कैप करीब 269 लाख करोड़ रुपये बढ़ गया था। इसके विपरीत भारतीय शेयर बाजार में लगातार 5 सत्र तक गिरावट दिखी थी और निवेशकों के 16 लाख करोड़ रुपये डूब गए थे। निवेशक और विशेषज्ञ अनुमान लगा रहे कि इस बार तो दोगुना राहत पैकेज जारी होगा तो इसका असर भी दोगुना हो सकता है। पिछले सप्ताह के आंकड़े देखें तो इसका जवाब आपको खुद मिल जाएगा। दरअसल, चीन के राहत पैकेज जारी करने के बाद वहां की अर्थव्यवस्था और शेयर बाजार दोनों में ही तगड़ा सुधार दिखने लगा। मार्केट डिमांड भी बढ़ी, क्योंकि ब्याज घटाकर 5 करोड़ लोगों को सीधे तौर पर फायदा दिया गया था। भारत के मुकाबले चीन के बाजार में स्कोप बढ़ते ही विदेशी निवेशक यहां से पैसा निकालकर वहां डालने लगे।

सिंगापुर के आर्थिक बदलाव में रतन टाटा का बहुमूल्य योगदान रहा: प्रधानमंत्री वोंग

सिंगापुर ।

सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने उद्योगपति रतन टाटा को श्रद्धांजलि देते हुए देश के आर्थिक बदलाव में उनके बहुमूल्य योगदान को याद किया। वोंग ने उन्हें एक सच्चा मित्र बताते हुए कहा कि उनकी विरासत को देश हमेशा संजोकर रखा जाएगा। टाटा समूह के पूर्व चेयरमैन का बुधवार शाम 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया मंच पर वोंग ने रतन टाटा को श्रद्धांजलि दी और कहा कि सिंगापुर से टाटा का पुराना नाता था। उन्होंने लिखा कि वह सिंगापुर के सच्चे मित्र थे और हम उनके योगदान और विरासत को संजोकर रखेंगे। वह हमारे देश के एक मजबूत समर्थक थे और उन्होंने हमारे आर्थिक बदलाव में बहुमूल्य योगदान दिया। टाटा समूह की 1960 के दशक के उत्तरार्ध से सिंगापुर में बड़ी उपस्थिति है। समूह के जेआरडी टाटा की सिंगापुर यात्रा से शुरू हुए इस सफर को रतन टाटा ने आगे बढ़ाया। इसके परिणामस्वरूप सिंगापुर में उसकी वर्तमान में 15 से अधिक कंपनियां हैं। इनमें आईटी, शिपिंग, इंजीनियरिंग, ऊर्जा और वित्तीय सेवाएं शामिल हैं। एक खबर के अनुसार सिंगापुर के आर्थिक विकास बोर्ड (ईडीबी) के चेयरमैन पीएनजी चियोंग बून ने भी रतन टाटा को श्रद्धांजलि दी। खबर में उनके हवाले से कहा गया कि रतन टाटा ने सिंगापुर में टाटा समूह की कॉर्पोरेट उपस्थिति बढ़ाने और भारत और सिंगापुर के बीच घनिष्ठ आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हुंडई मोटर इंडिया का आईपीओ 14 को होगा लॉन्च

नई दिल्ली । हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड अपना आईपीओ 14 अक्टूबर को लॉन्च करने जा रही है। इस आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 1,865-1,960 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। यह आईपीओ 14 अक्टूबर को बड़े इंस्टीट्यूशनल निवेशकों के लिए खुल जाएगा, जबकि 15 से 17 अक्टूबर के बीच रिटेल निवेशक और अन्य श्रेणियों के निवेशक बोलियां लगा सकेंगे। आईपीओ की लिस्टिंग 22 अक्टूबर को होने की संभावना है, जिसके बाद हुंडई मोटर इंडिया के शेयर बाजार में ट्रेडिंग शुरू हो जाएगी। हुंडई का यह आईपीओ भारत का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ होगा और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के रिकॉर्ड को तोड़ देगा, जिसने 21,000 करोड़ रुपये का इश्यू लाया था। हुंडई मोटर इंडिया अपने आईपीओ के जरिए करीब 25,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। यह इश्यू पूरी तरह से प्रमोटर कंपनी हुंडई मोटर द्वारा 14,21,94,700 शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) के आधार पर होगा, जिसमें कोई नए शेयर जारी नहीं किए जाएंगे। हुंडई मोटर इंडिया ने 15 जून को भारतीय बाजार नियामक सेबी के पास ड्रॉफ्ट रेड हेयरिंग प्रॉस्पेक्टस फाइल किया था, जिसे 25 सितंबर को मंजूरी मिल गई थी।

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज ने अपनी ऐप में किया सुधार

नई दिल्ली । जियो फाइनेंशियल सर्विसेज ने जियो फाइनेंस ऐप का नया व बेहतर संस्करण पेश करने की शुक्रवार को घोषणा की। यह ऐप ऋण, बचत खाते, यूपीआई बिल भुगतान, रिचार्ज और डिजिटल बीमा सहित कई सेवाएं प्रदान करता है। बयान के अनुसार जियोफाइनेंस ऐप का बीटा संस्करण 30 मई 2024 को पेश किया गया था। 60 लाख से अधिक लोग जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (जेएफएसएल) के नए युग के डिजिटल मंच से जुड़े। ग्राहकों की प्रतिक्रिया से अब इसे बेहतर बनाया गया है। जेएफएसएल ने बयान में कहा कि बीटा संस्करण पेश करने के बाद से वित्तीय उत्पादों तथा सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला को इससे जोड़ा गया, जिसमें म्यूचुअल फंड पर ऋण, गृह ऋण और संपत्ति की एवज में ऋण शामिल हैं। ये ऋण प्रतिस्पर्धी शर्तों पर उपलब्ध हैं और हमारे ग्राहकों के लिए पर्याप्त बचत प्रदान करेंगे। बयान में कहा गया कि नया ऐप अब गूगल प्ले स्टोर, एप्पल ऐप स्टोर और माय जियो पर उपलब्ध है। इसमें कई आकर्षक सेवाएं हैं।

टीसीएस की कमाई घटी- खर्चा बढा

मुंबई । भारत की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस को जुलाई से सितंबर माह की तिमाही में 11909 करोड रुपए का मुनाफा हुआ है। पिछले वर्ष की तुलना में यह पांच फ़ीसदी ज़्यादा है। पिछली तिमाही में कंपनी की आय 7.65 फ़ीसदी की दर से बढी थी। जो इस तिमाही में 0.36 फ़ीसदी घट गई है। इस तिमाही में कंपनी का खर्च 8 फ़ीसदी बढ़ गया है। खर्च की तुलना में कंपनी का मुनाफा कम हुआ है। टीसीएस के बोर्ड ने शेयर धारकों के लिए 10 रूपये प्रति शेयर अंतरिम डिविडेंड की मंजूरी दी है। इसका भुगतान 5 नवंबर को किया जाएगा। कंपनी ने अपने शेयरधारकों को पिछले साल की तुलना में 11 फ़ीसदी ज्यादा डिविडेंड दिया है। पिछले साल 9 रूपये प्रति शेयर का डिविडेंड दिया गया था।

टीसीएस का मुनाफा गिरा, उम्मीद से खराब रहे तिमाही नतीजे

मुंबई । टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने सितंबर में समाप्त दूसरी तिमाही के लिए मुनाफे में 1.1 प्रतिशत की तिमाही-दर-तिमाही गिरावट दर्ज की है। कंपनी का मुनाफा इस तिमाही 11,909 करोड़ रुपये रहा। यह आंकड़ा बाजार की उम्मीदों से कम है। भारत की सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी की वित्तीय वर्ष 24 का ऑपरेशनल रेवेन्यू 64,259 करोड़ रुपये रही। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सर्वेक्षण में टीसीएस का जुलाई-सितंबर लाभ 12,420 करोड़ रुपये और राजस्व 63,938 करोड़ रुपये अनुमानित किया गया था। टीसीएस ने 10 रुपये प्रति शेयर का दूसरा अंतरिम लाभांश भी घोषित किया है। कंपनी ने पहले ही शुक्रवार, 18 अक्टूबर 2024 को रिकॉर्ड तिथि के रूप में निर्धारित किया है ताकि शेयरधारकों की पात्रता तय की जा सके। इससे पहले, कंपनी ने 19 जुलाई 2024 को 10 रुपये का अंतरिम लाभांश दिया था। आईटी प्रमुख की ऑपरेटिंग मार्जिन 24.1 प्रतिशत रही, जो पिछली तिमाही के 24.7 प्रतिशत से कम है। शुद्ध मार्जिन 18.5 प्रतिशत रहा। टीसीएस ने तिमाही के दौरान 5,726 कर्मचारियों को जोड़ा। एचचे वित्तीय वर्ष 25 के अनुसार टीसीएस ने एक साल की कम भर्ती के बाद लगभग 11,000 सहयोगियों को जोड़ा। विश्लेषकों ने उम्मीद की थी कि टाटा समूह की इस आईटी दिग्गज की आय प्रमुख सौदों के बढ़ने से प्रेरित होगी।

अमेरिका में बेरोजगारी लाभ के लिए आवेदनों की संख्या बढ़कर उच्चतम स्तर पर

वाशिंगटन । अमेरिका में बेरोजगारी लाभ के लिए आवेदन करने वालों की संख्या पिछले सप्ताह उछलकर साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। विश्लेषकों का कहना है कि इसका कारण संभवतः श्रम बाजार में नरमी के बजाय चक्रवात हेलेन और बोइंग में कर्मचारियों की हड़ताल है। श्रम विभाग ने कहा कि तीन अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में बेरोजगारी लाभ के लिए आवेदनों की संख्या 33,000 बढ़कर 2,58,000 हो गई। यह पांच अगस्त, 2023 के बाद से सबसे अधिक है। साथ ही यह विश्लेषकों के 2,29,000 के अनुमान से कहीं अधिक है। विश्लेषकों ने कहा कि चक्रवात हेलेन से प्रभावित फ्लोरिडा, उत्तरी कैरोलिना, दक्षिण कैरोलिना और टेनेसी सहित अन्य राज्यों में बेरोजगारी लाभ के लिए आवेदनों की संख्या बढ़ी है। ऑक्सफ़ोर्ड इकनॉमिक्स की प्रमुख अमेरिकी अर्थशास्त्री नैन्सी वैंडेन हाउटन ने कहा कि तूफान हेलेन और मिल्टन के साथ-साथ बोइंग हड़ताल से प्रभावित राज्यों में बेरोजगारी लाभ के दावों में वृद्धि की संभावना है और यह तब तक रहेगा जबकि इसका असर समाप्त नहीं हो जाता। उन्होंने कहा कि हालांकि, हमें लगता है कि फेडरल रिजर्व इन प्रभावों को अस्थायी मानेगा और उम्मीद है कि नवंबर की बैठक में वह नीतिगत दर में 0.25 प्रतिशत की कमी करेगा।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान कंपनियों के तिमाही परिणाम उम्मीद के अनुसार नहीं रहने और विदेशी निवेशकों की निकासी बढ़ने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 0.28 फीसदी करीब 230.05 अंक नीचे आकर 81,381.36 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्राकर 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 0.14 फीसदी तकरीबन 34.20 अंक नीचे आकर 24,964.25 के स्तर पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में टीसीएस का शेयर सबसे ज्यादा 1.84 फीसदी गिरा। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुती, आईसीआईसीआई बैंक, पावर ग्रिड, एक्सिस बैंक, अदाणी पोर्ट्स, एचडीएफ़सी बैंक के शेयरों में गिरावट रही। वहीं दूसरी ओर एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, जेएसडब्ल्यू स्टील, हिन्दुस्तान यूनिलीवर, इन्फोसिस, टाइटन, सन फार्मा, टाटा स्टील, एलएंडटी और भारती एयरटेल के शेयर ऊपर आये हैं। वहीं गत दिवस बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 39.55 अंकों की गिरावट के साथ 81,571 पर खुला, जबकि निफ्टी 50 39.05 अंक गिरकर 24,959 पर कारोबार करता देखा गया। दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशिया क्षेत्र में बाजारों ने वॉल स्ट्रीट के प्रदर्शन से अलग हटकर ज्यादातर ऊंचाई पर शुरुआत की। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.3 फीसदी बढ़ा जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.8 फीसदी बढ़ा। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी-एएसएक्स 200, ट्रेंड से हटते हुए 0.19 फीसदी गिरा। वहीं हांगकांग के बाजार आज समारोह के कारण बंद रहे। इसके अलावा बैंक ऑफ कोरिया ने अक्टूबर बैठक में अपने बेस रेट में 25 बेसिस अंक की कटौती करते हुए इसे 3.25 फीसदी कर दिया। यह मई 2020 के बाद पहली कटौती है, जैसा कि अपेक्षित था। यह फैसला कम होती महंगाई के चलते लिया गया, जिसमें सितंबर का रेट घटकर 1.6 फीसदी पर आ गया।

ओपन एंडेड इक्विटी म्यूचल फंड्स के निवेश में दर्ज की गई गिरावट

नई दिल्ली ।

इक्विटी म्युचुअल फंड्स में निवेश के लिहाज से सितंबर लो परफॉर्मेंस वाला महीना बन गया। इस महीने ओपन एंडेड इक्विटी म्युचुअल फंड में हुए निवेश में करीब 10 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। सितंबर में ओपन एंडेड इक्विटी म्युचुअल फंड्स में कुल 34,419 करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जो अगस्त की तुलना में करीब 10 प्रतिशत कम है। ये जानकारी एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स ऑफ इंडिया (एएमएफआई) द्वारा जारी आंकड़ों में दी गई है।

आंकड़ों के मुताबिक सितंबर में शेयर बाजार में तेजी आने के बावजूद इक्विटी फंड्स में निवेश में कमी आ गई। सितंबर के महीने में स्टॉक मार्केट में 2 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई थी। इस अवधि में सेंसेक्स 2.4 प्रतिशत उछल गया था, जबकि निफ्टी ने 2.3 प्रतिशत की मजबूती दिखाई थी। जुलाई के बाद सितंबर के महीने में ही शेयर बाजार के संवेदी सूचकांकों में सबसे अधिक तेजी दर्ज की गई। इसके बावजूद ओपन एंडेड इक्विटी म्युचुअल फंड्स में होने वाले निवेश में गिरावट आ गई।

हालांकि एएमएफआई द्वारा दिए जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए म्यूचुअल फंड्स स्कीम्स में होने वाले निवेश में सितंबर के महीने में तेजी आई।

इस दौरान एसआईपी के जरिए होने वाला मासिक निवेश 24,508.73 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया, जबकि अगस्त के महीने में इस माध्यम से म्युचुअल फंड्स में 23,547.34 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था। आंकड़ों के अनुसार सितंबर के महीने में एसआईपी का एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) भी बढ़ कर 13.82 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।

इसके पहले अगस्त के महीने में एसआईपी का एसेट अंडर मैनेजमेंट 13.39 लाख करोड़ रुपये था। सितंबर के महीने में म्युचुअल फंड्स के यूनिक इन्वेस्टर्स की संख्या भी 5.01 करोड़ के स्तर को पार कर गई है, जबकि इन्वेस्टमेंट फोलियो की संख्या 21 करोड़ के स्तर को पार कर गई। ये अभी तक का सबसे ऊंचा स्तर है।

दो पहिया वाहन मध्यम वर्ग के ज्यादातर घरों में मौजूद

-ये हैं पांच बाइक्स जिनका है भारतीय बाजार पर कब्जा

नई दिल्ली । भारत में दो पहिया वाहन मध्यम वर्ग के ज्यादातर घरों में मौजूद है। पिछले कुछ सालों में इसकी मांग में अच्छा-खासा इजाफा हुआ है। हम टॉप-5 ऐसे दोपहिया वाहनों की बिक्री की बात करेंगे, जिनका बाजार पर सबसे ज्यादा कब्जा है। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैनुफैक्चरर्स (एसआईएएम) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार इस साल जून में हीरो स्प्लेंडर प्लस की बिक्री सबसे अधिक हुई। इस महीने में इसकी 2,84,190 यूनिट बिकी, जो पिछले साल की तुलना में 33.9 प्रतिशत का उछाल है और मई से 2.6 प्रतिशत ज्यादा है। लिस्ट में दूसरे नंबर पर होंडा शाइन 125 सीसी की बाइक है, जिसकी जून 2024 में 1,39,587 यूनिट बिक्री हुई। यह पिछले साल की तुलना में 40.6 प्रतिशत और पिछले महीने की तुलना में 9.9 प्रतिशत अधिक है। हीरो एचएफ डीलक्स 89,941 यूनिट की बिक्री के साथ टॉप तीन में जगह बनाने में कामयाब रही है। यह पिछले साल की तुलना में 0.7 प्रतिशत अधिक और पिछले महीने के मुकाबले 3.2 प्रतिशत अधिक है। बजाज पल्सर 125 सीसी की बिक्री में गिरावट दर्ज की गई है। पिछले साल की तुलना में 5.2 प्रतिशत की गिरावट और पिछले महीने की तुलना में 14.1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

रिकॉर्ड से भरे पहले टेस्ट मैच में इंग्लैंड की पाकिस्तान पर बड़ी जीत

मुल्तान (एजेंसी)। इंग्लैंड ने कुछ नए रिकॉर्ड का गवाह रहे पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में शुक्रवार को यहां पाकिस्तान को पारी और 47 रन से हराकर तीन मैच की श्रृंखला में शुरुआती बढ़त हासिल की। पाकिस्तान की टीम मैच के पांचवें और अंतिम दिन पहले सत्र में 220 रन पर आउट हो गई। उसकी तरफ से सलमान अली आगा (63) और अमीर जमाल (नाबाद 55) ने अर्धशतक जमाए लेकिन इससे वे हार का अंतर ही कम कर पाए।

अबरार अहमद बुखार होने के कारण बल्लेबाजी के लिए नहीं आए। पाकिस्तान पहली ऐसी टीम बन गई है जिसे पहली पारी में 500 से अधिक रन बनाने के बावजूद पारी के अंतर से हार का सामना करना पड़ा। पाकिस्तान ने अपनी पहली पारी में 556 रन बनाए थे जिसके जवाब में इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी सात विकेट पर 823 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी।

बाएं हाथ के स्पिनर जैक लीच ने अंतिम दिन तीनों विकेट हासिल किए। उन्होंने कुल 30 रन देकर चार विकेट लिए। इससे पहले मैच के चौथे दिन शाम के सत्र में तेज गेंदबाज गस एटकिंसन और ब्रायडन कार्स ने पाकिस्तान का शीर्ष क्रम चरमराया था। पाकिस्तान ने सुबह छह विकेट पर 152 रन से आगे खेलना शुरू किया। सलमान और जमाल ने पहले एक घंटे में कोई विकेट नहीं गिरने दिया और सातवें विकेट के लिए 109 रन की साझेदारी की।

लीच ने सलमान को पगबाधा आउट करके यह साझेदारी तोड़ी और फिर पुछल्ले बल्लेबाजों शाहीन शाह अफरीदी और नसीम शाह को आउट करने में देर नहीं लगाई। इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में टेस्ट क्रिकेट का चौथा सबसे बड़ा स्कोर बनाया। उसकी तरफ से हैरी ब्रूक ने 317 और जो रूट ने 262 रन बनाए। इन दोनों टीमों के बीच दूसरा टेस्ट मैच मंगलवार से मुल्तान में ही खेला जाएगा जबकि तीसरा और अंतिम टेस्ट मैच 24 अक्टूबर से रावलपिंडी में होगा।

शंघाई में मचाक ने कार्लोस अल्काराज़ को हराया, वुहान में सबालेंका आगे बढ़ी

शंघाई (एजेंसी)। विश्व में दूसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज़ का 12 मैचों से चला आ रहा जीत का सिलसिला शंघाई मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में टॉमस मचाक से 7-6 (5), 7-5 हार के साथ समाप्त हो गया। चेक गणराज्य के विश्व में 33वें नंबर के खिलाड़ी मचाक का टूर स्तर पर यह केवल तीसरा क्वार्टर फाइनल मैच था जबकि अल्काराज चार बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन हैं। मचाक सेमीफाइनल में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर का सामना करेंगे। सिनर ने पांचवीं रैंकिंग के दानिल मेदवेदेव को सीधे सेटों में हराकर इस सत्र में पांचवीं बार एटीपी मास्टर्स टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई।

उन्होंने सिर्फ एक ब्रेक प्वाइंट का सामना किया और रूसी खिलाड़ी को 6-1, 6-4 से शिकस्त दी। वहीं आर्यना सबालेंका ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 35वें स्थान पर काबिज यूलिया पुतिनत्सेवा को 1-6, 6-4, 6-0 से हराकर वुहान ओपन में अपना अजेय रिकॉर्ड बरकरार रखा। बेलारूस की इस खिलाड़ी का इस जीत से डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंचना भी सुनिश्चित हो गया। वह इगा स्वियातेक की जगह विश्व की नंबर एक खिलाड़ी बनेगी। स्वियातेक ने व्यक्तिगत कारणों से इस टूर्नामेंट में भाग नहीं लिया।

कोको गॉफ ने एक घंटे से ज्यादा चले मुकाबले में 17वीं रैंकिंग की मार्टा कास्तयुक को 6-4, 6-1 से शिकस्त देकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। गॉफ का सामना 45वीं रैंकिंग की मारुडा लिनेटे से होगा जिन्होंने आठवीं वरीयता प्राप्त दारिया कसातकिना को 6-2, 6-3 से हराया। तीसरी रैंकिंग जेसिका पेगुला को 51वीं रैंकिंग की वांग जिन्यु से 3-6, 5-7 से हार का सामना करना पड़ा। हेली बापटिस्टे को इकेटरीना एलेक्सांद्रोवा ने 6-1, 6-1 से पराजित किया। पेरिस ओलंपिक की स्वर्ण पदक विजेता झेंग किनवेन ने लेला फर्नांडिज को 5-7, 6-3, 6-0 से और छठी रैंकिंग की जैस्मिन पाओलिनी ने एरिका आंद्रीवा को 6-3, 6-2 से शिकस्त दी।

रणजी ट्रॉफी : सलामी बल्लेबाज सुदीप चटर्जी का शतक, बंगाल के 7 विकेट पर 269 रन

लखनऊ (एजेंसी)। बंगाल ने सलामी बल्लेबाज सुदीप चटर्जी (116 रन) के शतक और सुदीप कुमार घरामी (90 रन) के अर्धशतकों की बदौलत शुक्रवार को यहां रणजी ट्रॉफी ग्रुप सी मैच के पहले दिन स्टंप तक उत्तर प्रदेश के खिलाफ सात विकेट पर 269 रन बनाए। बंगाल के कप्तान अनुस्तुप मजूमदार ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी।

सलामी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन (05) के लिए दिन अच्छा नहीं रहा, वह यश दयाल की गेंद पर कप्तान और विकेटकीपर आर्यन जुयाल को कैच देकर पवेलियन पहुंच गये। इसके बाद दोनों सुदीप (चटर्जी और घरामी) ने मिलकर शानदार शतकीय साझेदारी निभाकर अच्छे स्कोर की नींव रखी। दोनों दूसरे विकेट के लिए 198 रन की साझेदारी निभाकर अच्छी स्थिति में थे लेकिन उत्तर प्रदेश के विप्रज निगम (59 रन देकर चार विकेट) ने सुदीप घरामी को विकेटकीपर के हाथों कैच आउट कराया।

सुदीप घरामी ने 161 गेंद की पारी में 11 चौके और एक छक्का लगाया। इसके बाद बंगाल ने लगातार चार विकेट गंवाये। सुदीप चटर्जी आउट होने वाले छठे बल्लेबाज रहे, उन्होंने 116 रन की शतकीय पारी के दौरान नौ चौके और एक छक्का जड़ा। स्टंप तक शाहबाज अहमद 26 रन बनाकर खेल रहे थे जबकि सूरज सिंधू जायसवाल ने अभी खाता नहीं खोला है।

'पृथ्वी शॉ एक डार्क हॉर्स हैं': बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए पूर्व भारतीय चयनकर्ता की बोल्ड पिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पास टेस्ट मैचों में ओपनिंग कॉम्बिनेशन है लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी 5 टेस्ट मैचों की सीरीज में टीम में रिजर्व ओपनर होने की संभावना है। यह अगले महीने से शुरू होने वाला एक लंबा दौरा है और पुरुष सीनियर चयन समिति स्क्वाड को अंतिम रूप देते समय सभी आधारों को कवर करना चाहेगी। रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल अच्छी फॉर्म में हैं, लेकिन जरूरत पड़ने पर रिजर्व ओपनर तैयार रखना महत्वपूर्ण है।

रोहित शर्मा के व्यक्तिगत कारणों से एक टेस्ट से बाहर होने की खबरों के साथ अजीत अगरकर एंड कंपनी इस भूमिका के लिए संभावित उम्मीदवारों पर कड़ी नजर रखेगी। अभिमन्यु ईश्वरन, रुतुराज गायकवाड़ और साई सुदर्शन कुछ विकल्प हैं, लेकिन भारत के पूर्व चयनकर्ता जतिन परांजपे ने सूची में एक बहुत ही दिलचस्प नाम जोड़ा है। परांजपे का मानना है कि अपनी आक्रामक शैली और तेजी से रन बनाने के लिए मशहूर पृथ्वी शॉ शीर्ष क्रम में एक अलग गतिशीलता जोड़ते हैं और उन्हें लगता है कि वह डॉर्क हॉर्स हैं।

उन्होंने कहा, 'शुभमन गिल शायद तीसरे सलामी बल्लेबाज के लिए एक अच्छा विकल्प हैं क्योंकि वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कर सकते हैं और पारी की शुरुआत भी कर सकते हैं। हालांकि मैं स्थिति के आधार पर तीसरे सलामी बल्लेबाज की भूमिका के लिए केएल राहुल पर भी विचार करूंगा। हर कोई रन बना रहा है। ईश्वरन भी अच्छा कर रहे हैं। एक ऐसा डॉर्क हॉर्स भी है जिसके बारे में कोई बात नहीं कर रहा है और वह पृथ्वी शॉ है। यह घरेलू सीजन शॉ के लिए महत्वपूर्ण होगा।'

दिलचस्प बात यह है कि शॉ ने भारत के लिए आखिरी टेस्ट 2020 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड में खेला था। उन्होंने पांच टेस्ट खेले हैं, जिसमें उन्होंने 42.37 की औसत से 339 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और दो अर्द्धशतक शामिल हैं। आक्रामक सलामी बल्लेबाज ने 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 134 रन बनाकर शानदार शुरुआत की और 18 साल की उम्र में डेब्यू पर शतक बनाने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय बन गए। उसके बाद से उनका करियर आसान नहीं रहा है क्योंकि चोटों, फॉर्म और मैदान के बाहर की चिंताओं के कारण उन्हें कई झटके लगे हैं।

अब आगामी रणजी ट्रॉफी सीजन में शॉ चयनकर्ताओं को प्रभावित करना चाहेंगे। परांजपे ने कहा, 'अगर पृथ्वी शॉ का सीजन अच्छा रहा तो वह रेस में शामिल हो जाएंगे। मुझे लगता है कि वह देश के सबसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं, लेकिन कड़ी प्रतिस्पर्धा है और जो भी उस समय सबसे अच्छी फॉर्म में होगा, उसे चुना जाएगा।'

जयपुर पिंक पैंथर्स ने अर्जुन देशवाल को कप्तान बनाया

जयपुर । स्टार रेडर अर्जुन देशवाल को जयपुर पिंक पैंथर्स ने प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 11 वें सत्र के लिए कप्तान बनाया है। देशवाल ने फ्रेंचाइजी की ओर से अपने पहले सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए 268 अंक हासिल किए और अगले सत्र में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 296 और 278 अंक बटोरे। उनके प्रदर्शन से टीम को 9 वें सत्र में खिताबी जीत मिली जबकि 10 वें सत्र में वह सेमीफाइनल में पहुंची। वहीं कप्तान बनाये जाने से उत्साहित इस खिलाड़ी ने कहा, मैं पीकेएल में एक और रोमांचक सत्र की उम्मीद करता हूं। टीम कड़ी मेहनत कर रही है और मैं इस टीम को आगे ले जाने के पूरे प्रयास अपनी ओर से करुंगा। उम्मीद है कि इस बार मैं जयपुर पिंक पैंथर्स को तीसरी बार ट्रॉफी दिला सकूंगा। पिंक पैंथर्स अब 20 अक्टूबर को हैदराबाद के गाचीबावली इंडोर स्टेडियम में बंगाल वॉरियर्स के खिलाफ मुकाबले में नजर आयेगी।

रोहित ने एक शो में भारतीय टीम के पहले प्रशंसक के बारे में बताया

मुम्बई । भारतीय टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने एक शो के दौरान टीम के सबसे पहले प्रशंसक के बारे में बताया है। इस शो में रोहित के साथ अन्य क्रिकेटर अक्षर पटेल, शिवम दुबे और अर्शदीप सिंह और सूर्यकुमार यादव भी थे। इस दौरान खिलाड़ियों ने जमकर हंसीमजाक करने के साथ ही कई किस्से भी सुनाये। ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर आने वाले इस कॉमेडी शो में आये भारतीय टीम के प्रशंसक सुधीर कुमार की रोहित ने जमकर प्रशंसा की। सुधीर इस कॉमेडी शो में उसी अंदाज में आए थे, जैसे भारतीय क्रिकेट टीम का मैच देखने जाते हैं. उन्होंने अपने चेहरे पर तिरंगा पेंट किया हुआ था और हाथों में शंख था। उनकी बात होते ही कप्तान रोहित ने कहा, 'इनके बारे में मैं बताता हूं. सुधीर हमारी टीम के पहले प्रशंसक हैं। जब भी हमारी टीम बस स्टेडियम में आती है, शंख बजता है. जब भी बाउंड्री लगती है या छक्का लगता है या विरोधी के विकेट गिरते हैं तो इनका शंख बजता है।' रोहित की इस बात पर सभी तालियां बजाने लगते हैं। वहीं सुधीर कहते हैं, 'ये शंख नहीं, ये है जंग-ए-ऐलान, टीम इंडिया सबसे महान.' इसके बाद सुधीर अपने ही अंदाज में शंख बजाते हैं।

ऑस्ट्रेलिया को लगा झटका, बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से बाहर हो सकता है यह बड़ा प्लेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन पीठ की सर्जरी के कारण 22 नवंबर से पर्थ में भारत के खिलाफ शुरू होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से बाहर हो सकते हैं। ग्रीन को पीठ के निचले हिस्से में तनाव फ्रैक्चर का पता चला था, जिसके कारण वह इंग्लैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की एकदिवसीय श्रृंखला में भाग नहीं ले पाए थे।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ऑलराउंडर ने गुरुवार देर रात ऑस्ट्रेलियाई टीम के अधिकारियों से अपने विकल्पों पर चर्चा की और कई दिनों के परामर्श और विश्लेषण के बाद उन्हें सर्जरी या पुनर्वास में से एक विकल्प दिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया, 'ग्रीन आने वाले दिनों में यह तय करेंगे कि उन्हें अपनी रीढ़ की हड्डी पर वैसी ही चिकित्सा प्रक्रिया करवानी है या नहीं, जैसी कि तेज गेंदबाज जेम्स पैटिंसन, जेसन बेहरेनडॉर्फ और बेन ड्वार्शिस ने पहले करवाई है।'

क्राइस्टचर्च के अग्रणी सर्जन ग्राहम इंगलिस और रोवन शाउटन द्वारा किया गया कि यह ऑपरेशन ग्रीन को कई महीनों तक खेलने से रोकेगा क्योंकि इसमें कशेरुकाओं को एक साथ बांधने के लिए स्क्रू और टाइटेनियम तार का इस्तेमाल किया जाता है। 2020 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले ग्रीन मार्च में वेलिंगटन में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में नाबाद 174 रनों की करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेलने के बाद प्लेयर ऑफ द मैच बने थे। 28 टेस्ट में ग्रीन का बल्लेबाजी औसत 48.57 है, इसके अलावा उन्होंने 35 विकेट भी लिए हैं।

उनकी अनुपस्थिति में मिशेल मार्श को गेंदबाजी का कार्यभार संभालना पड़ सकता है, जबकि स्टीव स्मिथ चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए वापस आ सकते हैं। मार्कस हैरिस, कैमरून बैनक्रॉफ्ट, मैथ्यू रेनशॉ, निक मैडिनसन या किशोर बल्लेबाज सैम कोंस्टास भी उस्मान ख्वाजा के साथ बल्लेबाजी की शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। ऑस्ट्रेलिया को 22 नवंबर को पर्थ स्टेडियम में शुरू होने वाले पहले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट से पहले ब्रिसबेन और मैके में भारत 'ए' के खिलाफ तीन और शेफील्ड शील्ड मैच और दो 'ए' टीम गेम खेलने हैं।

ऑल इंडिया सब जूनियर बैडमिंटन टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा जयपुर

नई दिल्ली । ऑल इंडिया सब जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट 4 नवंबर से राजस्थान की राजधानी जयपुर में खेला जाएगा। इसकी मेजबानी राजस्थान बैडमिंटन एसोसिएशन करेगा। वहीं पूरे आयोजन पर बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया की नजरें लगी रहेंगी। 4 से 12 नवंबर तक होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाइंग दौर के मुकाबले 4 से 8 नवंबर और मेन ड्रा 9 से 12 नवंबर तक होंगे। टूर्नामेंट के मुकाबले सवाई मानसिंह स्टेडियम के इंडोर बैडमिंटन हाल में खेले जाएंगे। इसमें कुल 6 लाख रुपए ईनामी राशि रखी जाएगी। टूर्नामेंट में बीएस 17 से लेकर एक्स डी 17 तक की 10 कैटेगरी हैं इनमें विजेताओं को 29 हजार से लेकर 31 हजार की ईनामी राशि दी जाएगी जबकि उपविजेता को 14,500 से लेकर 15 हजार तक की राशि मिलेगी। टूर्नामेंट में खिलाड़ी ब्वॉयज सिंगल, गर्ल सिंगल, ब्वॉयज डबल, गर्ल्स डबल, मिक्सड डबल वर्ग में अंडर 16 और अंडर 17 वर्ग में भाग लेंगे। इस टूर्नामेंट से युवा प्रतिभाएं सामने आयेंगी।

तीसरा टी20 जीतकर क्लीन स्वीप करने उतरेगी भारतीय टीम

हैदराबाद । भारतीय क्रिकेट टीम यहां के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में शनिवार को बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले तीसरे और अंतिम टी20 मैच को जीतकर सीरीज में 3-0 से जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने पहले और दूसरे मैच जीतकर पहले ही सीरीज में 2-0 की बढ़त बनायी हुई है। ऐसे में उसका लक्ष्य तीसरा मैच भी जीतना रहेगा। इसमें कुछ युवा खिलाड़ियों को भी अवसर दिया जा सकता है। भारतीय टीम के खिलाड़ियों ने पहले मैच में ग्वालियर और दूसरे मैच में दिल्ली में जीत दर्ज की थी। अब वह टी20 सीरीज में भी 3-0 से जीत दर्ज करने में कोई कमी नहीं रखेगी। टीम प्रबंधन इस मैच में युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव और स्पिनर वरुण चक्रवर्ती सहित अन्य युवाओं के प्रदर्शन पर भी नजर रखेगा जिससे कि भविष्य के मुकाबलों के लिए इन्हें तैयार किया जा सके। मयंक आईपीएल 2024 के बाद चोटिल होने के कारण अधिकतर मैचों में नहीं खेल पाए थे पर इस सीरीज में उन्होंने 150 किलोमीटर की रफ्तार से गेंदबाजी करके अपने कौशल का अच्छा नमूना पेश किया है। वहीं वरुण ने ग्वालियर में पहले मैच में तीन विकेट अच्छी वापसी की थी। वहीं टीम प्रबंधन ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी के प्रदर्शन पर भी नजरें रहेंगी। नीतीश ने दिल्ली में दूसरे टी20 मैच में 34 गेंद पर 74 रन की आक्रामक पारी के साथ ही दो विकेट लिए। पहले दो मैच में संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी असफल रही थी। सैमसन अब तक के मैचों में रन नहीं बना पाये हैं। ऐसे में उनकी जगह किसी अन्य को अवसर दिया जा सकता है।

हिमा दास को डोपिंक के आरोपों में मिली क्लीन चिट, नाडा के एडीएपी ने लगाई अनुशासनात्मक पैनल के फैसले पर मुहर

नई दिल्ली। भारत की स्टार धाविका हिमा दास को नाडा के डोपिंग रोधी अपील पैनल यानी एडीएपी से मंजूरी मिल गई है। एडीएपी ने हिमा को 12 महीनों में 3 बार ठिकाने की जानकारी नहीं देने के कारण लगे डोपिंग के आरोपों से मुक्त कर दिया है। 24 वर्षीय हिमा को 2023 में नाडा ने 12 महीनों के दौरान तीन बार ठिकाने की जानकारी नहीं देने के कारण अस्थायी रूप से बैन कर दिया था। मार्च में सुनवाई के बाद डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक पैनल ने उन्हें बरी कर दिया था। वह 30 अप्रैल को बैंगलुरु में इंडियन ग्रैंड प्रिक्स 1 में 200 मीटर में प्रतिस्पर्धा में लौटीं। पीटीआई के रिपोर्ट के अनुसार, नाडा के डोपिंग रोधी अपील पैनल ने अपने 4 सितंबर के फैसले में हिमा दास को डोपिंग के आरोपों से मुक्त करने के अनुशासनात्मक पैनल के फैसले को बरकरार रखा। नाडा की वेबसाइट पर एडीएपी के फैसलों पर ताजा अपडेट में कहा गया है कि, एडीटीपी के आदेश को बरकरार रखा गया है। एथलीट को डोपिंग के आरोपों से मुक्त किया गया है। एंटी डोपिंग अनुशासनात्मक पैनल के निर्णय के खिलाफ अपील किसने की, इस बारे में कोई भी जानकारी उपलब्ध नहीं था, लेकिन संभावना है कि नाडा ने अपील शुरू की है क्योंकि निकाय ने पहले भी ऐसे मामलों में अपील की है जब निर्णय एथलीट्स के पक्ष में रहे थे।

भारतीय जेलों में शतरंज खेल रहे कैदी, फिडे प्रतियोगिता में जीते पदक

मुम्बई (एजेंसी)। शतरंज ओलंपियाड के बाद भारत के लिए एक और बड़ी उपलब्धि सामने आई है। कैदियों के लिए चौथी इंटरकांटिनेंटल ऑनलाइन शतरंज चैंपियनशिप में भोपाल और एलुरु के किशोर गृह में रखे गए खिलाड़ियों ने एक स्वर्ण और एक कांस्य जीता है। फिडे द्वारा ऑनलाइन करवाए जाते कार्यक्रम में 2 युवा टीमों के अलावा, दो और भारतीय टीमें पदक की दौड़ में थीं। यरवदा जेल की एक टीम पुरुष वर्ग में कांस्य पदक की लड़ाई में हार गई जबकि तिहाड़ जेल की एक महिला टीम रोमानिया की एक टीम से हार गई। इस वर्ष इस आयोजन में 115 देशों से टीमें थीं। इसमें भारत से 9 टीमों ने हिस्सा लिया था।

ग्रैंडमास्टर अभिजीत कुंटे, जो भारत में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन द्वारा संचालित ÷परिवर्तन-प्रिजन टू प्राइड÷ नामक कार्यक्रम का नेतृत्व करते हैं, ने जेल में कैदियों की स्थिति और शतरंज की शुरूआत पर अहम बातें कहीं। कुंटे ने कहा कि कुछ कैदी बहुत बुरी स्थिति में थे। वे आपस में लड़ते रहते थे। लेकिन जब उन्होंने शतरंज खेलना शुरू किया तो यह काफी कम हो गया। क्योंकि उन्होंने सोचा कि शतरंज के बारे में सोचना बेहतर है और आगे क्या करना है... एक कैदी ने मुझे बताया कि वे बहुत खुश हैं क्योंकि जेल के बाहर के लोग उनके बारे में सोच रहे हैं। मुझे लगता है कि यह ऐसे किरदार है जिन्हें लगता है कि उनकी हर समय अपेक्षा की गई। लेकिन अब शतरंज उन्हें पहचान दे रही है। उन्हें वहां रहने का अब मकसद मिल गया है।

कुंटे, जो ओलंपियाड में भारतीय महिला टीम के कोच थे और वर्तमान में लंदन में आयोजित ग्लोबल शतरंज लीग में पी.बी.जी. अलास्का नाइट्स की कप्तानी कर रहे हैं, का अनुमान है कि उन्होंने पिछली बार जिन 9-10 जेलों का दौरा किया था, उनमें उन्होंने लगभग 120 कैदियों को ट्रेनिंग दी है। अंतरराष्ट्रीय मास्टर ईशा करवाडे, सौम्या स्वामीनाथन और ग्रैंडमास्टर ललित बाबू भी इन्हें ट्रेनिंग दे चुके हैं।

कुंटे ने ट्रेनिंग दौर पर बात करते कहा कि जब मैं पहली बार जेलों में गया तो बहुत विरोध हुआ। खिलाड़ियों, अधिकारियों ने विरोध किया। लेकिन जब मैं दूसरी बार गया तो जेलर, कैदी, पुलिस, हर कोई विजेता टीम के साथ तस्वीरें ले रहा था। यह पहली बार था जब मैंने देखा कि जेल अधिकारी और खिलाड़ी देश के लिए कुछ हासिल करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। वह एहसास ही मेरे लिए कुछ अलग था।

बहरहाल, भारत में लगभग 30 जेलें ऐसी हैं जहां यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय आयोजन के लिए योग्य उन 9 टीमों में से 4 पुरुष वर्ग में, 3 युवा वर्ग में और 2 महिला वर्ग में थीं। भारत की टीमों ने कैदियों के लिए इंटरकांटिनेंटल ऑनलाइन शतरंज चैंपियनशिप के पिछले दो संस्करणों में भी पदक जीते थे। अक्टूबर 2023 में, यरवदा सेंट्रल जेल टीम ने स्वर्ण पदक जीता था जबकि एक साल पहले उन्होंने कांस्य पदक जीता था।

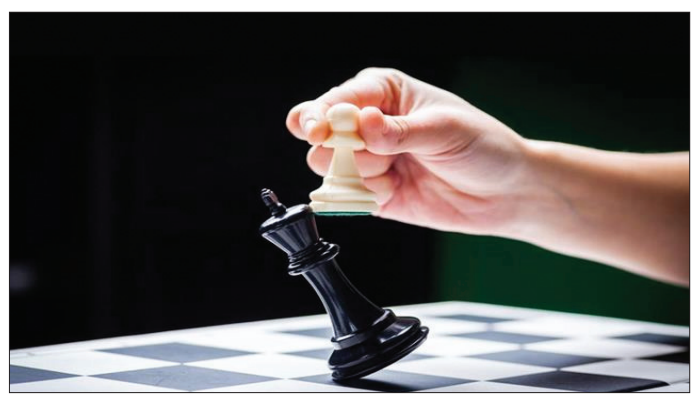

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विजयदशमी का त्योहार

दशहरा

दशहरा भारत का एक महत्वपूर्ण और लंबा उत्सव है। पूरे देश में इसे पूरे उत्साह, प्यार, विश्वास और सम्मान के साथ हिन्दू धर्म के लोगों द्वारा मनाया जाता है। सभी के द्वारा मस्ती करने के लिये ये वाकई अच्छा समय होता है। दशहरा के उत्सव पर स्कूल और कॉलेजों से भी कुछ दिनों की छुट्टी मिल जाती है। ये पर्व हर साल सितंबर और अक्तूबर के महीने में दीवाली के 20 दिन पहले पड़ता है। लोगों को इस त्योहार का बड़ी बेसब्री से इंतजार रहता है।

दशहरा से जुड़ी रीती रिवाज और परंपरा

भारत एक ऐसा देश है जो अपनी परंपरा और संस्कृति, मेले और उत्सव के लिये जाना जाता है। यहाँ हर पर्व को लोग पूरे जोश और खुशी के साथ मनाते है। हिन्दू पर्व को महत्व देने के साथ ही इस त्योहार को पूरी खुशी के साथ मनाने के लिये भारत की सरकार द्वारा दशहरा के इस उत्सव पर राजपत्रित अवकाश की घोषणा की जाती है। दशहरा का अर्थ है 'बुराई के राजा रावण पर अच्छाई के राजा राम की जीत'। दशहरा का वास्तविक अर्थ दस सर वाले असुर का इस पर्व के दसवें दिन पर अंत है। पूरे देश में सभी लोगों द्वारा रावण को जलाने के साथ ही इस उत्सव का दसवाँ दिन मनाया जाता है।

देश के कई क्षेत्रों में लोगों के रीति-रिवाज और परंपरा के अनुसार इस उत्सव को लेकर कई सारी कहानियाँ है। इस उत्सव की शुरुआत हिन्दू लोगों के द्वारा उस दिन से हुई जब भगवान राम ने असुर राजा रावण को दशहरा के दिन मार दिया था (हिन्दू कैलंडर के अश्वयुजा महीने में)। भगवान राम ने रावण को इसलिये मारा क्योंकि उसने माता सीता का हरण कर लिया था और उन्हें आजाद करने के लिये तैयार नहीं था। इसके बाद भगवान राम ने हनुमान की वानर सेना और लक्ष्मण के साथ मिलकर रावण को परास्त किया।

दशहरा का महत्व

दशहरा का पर्व हर एक के जीवन में बहुत महत्व है इस दिन लोग अपने अंदर की भी बुराइयों को खत्म करके नई जीवन की शुरुआत करते है। यह बुराई पर अच्छाई की जीत की खुशी में मनाया जाने वाला त्यौहार है। दशहरा त्यौहार जश्न के रूप में मनाया जाने वाला त्यौहार है। सबकी जश्न की अपनी मान्यता है किसानों के लिए फसल को घर लाने का जश्न, बच्चों के लिए राम द्वारा रावण के वध का जश्न , बड़ो द्वारा बुराई पर अच्छाई का जश्न, आदि।

यह पर्व बहुत ही शुभ और पवित्र माना जाता है। लोगों का मानना है की इस दिन अगर स्वामी के पत्तों को घर लाये जाए तो बहुत ही शुभ होता है और इस दिन शुरू किये गए कार्य में जरूर सफलता मिलती है।

विजयादशमी से जुड़ी कथाएं

भगवान राम का रावण पर विजय।
पांडव का वनवास।
माँ दुर्गा द्वारा महिषासुर का वध।
देवी सती का अग्नि में समाना।
दशहरा का मेला

ऐसे कई जगह है जहां दशहरा पर मेला लगता है, कोटा में दशहरा का मेला, कोलकाता में दशहरा का मेला, वाराणसी में दशहरा का मेला, इत्यादि। जिसमें कई दुकानें लगती है और खाने पीने का आयोजन होता है। इस दिन बच्चे मेला घूमने जाते है और मैदान में रावण का वध देखने जाते है।

इस दिन सड़कों पर बहुत भीड़ होती है। लोग गाँवों से शहरों में दशहरा मेला देखने आते है। जिसे दशहरा मेला के नाम से जाना जाता है। इतिहास बताता है कि दशहरा का जश्न महारो दुर्जनशल सिंह हंडा के शासन काल में शुरू हुआ था। रावण के वध के बाद श्रद्धालु पंडाल घूमकर देवी माँ का दर्शन करते हुए मेले का आनंद उठाते है।

निष्कर्ष

हिन्दू धर्मग्रंथ रामायण के अनुसार, ऐसा कहा जाता है कि देवी दुर्गा को प्रसन्न करने और आशीर्वाद प्राप्त करने के लिये राजा राम ने चंडी होम कराया था। इसके अनुसार युद्ध के दसवें दिन रावण को मारने का राज जान कर उस पर विजय प्राप्त कर लिया था। अंततः रावण को मारने के बाद राम ने सीता को वापस पाया।

दशहरा को दुर्गोत्सव भी कहा जाता है क्योंकि ऐसा माना जाता है कि उसी दसवें दिन माता दुर्गा ने भी महिषासुर नामक असुर का वध किया था। हर क्षेत्र के रामलीला मैदान में एक बहुत बड़ा मेला आयोजित किया जाता है जहाँ दूसरे क्षेत्र के लोग इस मेले के साथ ही रामलीला का नाटकीय मंचन देखने आते है।

दशहरा या विजयदशमी का त्योहार बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। यह त्योहार भारतीय संस्कृति के वीरता का पूजक, शौर्य का उपासक है। आश्विन शुक्ल दशमी को मनाया जाने वाला दशहरा यानी आयुध-पूजा हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। व्यक्ति और समाज के रक्त में वीरता प्रकट हो इसलिए दशहरे का उत्सव रखा गया है।

असत्य पर सत्य की विजय – भगवान राम ने इसी दिन रावण का वध किया था। इसे असत्य पर सत्य की विजय के रूप में मनाया जाता है। इसीलिए इस दशमी को विजयादशमी के नाम से जाना जाता है। दशहरा वर्ष की तीन अत्यंत शुभ तिथियों में से एक है, अन्य दो हैं चैत्र शुक्ल की एवं कार्तिक शुक्ल की प्रतिपदा। इसी दिन लोग नया कार्य प्रारंभ करते हैं, इस दिन शस्त्र-पूजा, वाहन पूजा की जाती है।

प्राचीन काल में राजा लोग इस दिन विजय की प्रार्थना कर रण यात्रा के लिए प्रस्थान करते थे। दशहरा का पर्व दस प्रकार के पापों- काम, क्रोध, लोभ, मोह मद, मत्सर, अहंकार, आलस्य, हिंसा और चोरी जैसे अवगुणों को छोड़ने की प्रेरणा हमें देता है।

दशहरा शब्द की उत्पत्ति– दशहरा या दसेरा शब्द 'दश'(दस) एवं 'अहन्' से बना है। दशहरा उत्सव की उत्पत्ति के विषय में कई कल्पनाएं की गई हैं। कुछ लोगों का मत है कि यह कृषि का उत्सव है। दशहरे का सांस्कृतिक पहलू भी है।

भारत कृषि प्रधान देश है। जब किसान अपने खेत में सुनहरी फसल उगाकर अनाज रूपी संपत्ति घर लाता है तो उसके उल्लास और उमंग का ठिकाना हमें नहीं रहता। इस प्रसन्नता के अवसर पर वह भगवान की कृपा को मानता है और उसे प्रकट करने के लिए वह उसका पूजन करता है। तो कुछ लोगों के मत के अनुसार यह रण यात्रा का द्योतक है, क्योंकि दशहरा के समय वर्षा समाप्त हो जाते हैं, नदियों की बाढ़ थम जाती है, धान आदि सहेज कर में रखे जाने वाले हो जाते हैं। इस उत्सव का संबंध नवरात्रि से भी है क्योंकि नवरात्रि के उपरांत ही यह उत्सव होता है और इसमें महिषासुर के विरोध में देवी के साहसपूर्ण कार्यों का भी उल्लेख मिलता है। दशहरा या विजया दशमी नवरात्रि के बाद दसवें दिन मनाया जाता है। इस दिन राम ने रावण का वध किया था।

राम और रावण का युद्ध– रावण भगवान राम की पत्नी देवी सीता का अपहरण कर लंका ले गया था। भगवान राम युद्ध की देवी मां दुर्गा के भक्त थे, उन्होंने युद्ध के दौरान पहले नौ दिनों तक मां दुर्गा की पूजा की और दसवें दिन दुष्ट रावण का वध किया। इसलिए विजयादशमी एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है। राम की विजय के प्रतीक स्वरूप इस पर्व को %विजयादशमी% कहा जाता है।

दशहरा पर्व पर मेले– दशहरा पर्व को मनाने के लिए जगह-जगह बड़े मेलों का आयोजन किया जाता है। यहां लोग अपने परिवार, दोस्तों के साथ आते हैं और खुले आसमान के नीचे मेले का पूरा आनंद लेते हैं। मेले में तरह-तरह की वस्तुएं, चूड़ियों से लेकर खिलौने और कपड़े बेचे जाते हैं। इसके साथ ही मेले में व्यंजनों की भी भरमार रहती है।

रामलीला और रावण वध– इस समय रामलीला का भी आयोजन होता है। रावण का विशाल पुतला बनाकर उसे जलाया जाता है। दशहरा अथवा विजयदशमी भग

शौर्य की विजय गाथा

– बल्लभ डोभाल

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम द्वारा लंकेश्वर रावण पर विजय की कहानी सनातन चली आई है। इसी स्मृति में विजय दशमी पर्व धूमधाम से मनाया गया है। आदिग्रंथ, ऋग्वेद में 'उत्तिष्ठितः जागृतः प्राप्यबरान्निबोधतः' कहा है, अर्थात्- ओ आर्यपुरुष उठ! विजय को प्राप्त कर! तेरी भुजाओं में बल है, तुझे कौन जीत सका है।

आदि सूत्र इस बात को स्पष्ट करते हैं कि वह तोप, तलवार से प्राप्त की जाने वाली विजय नहीं थी, उसके मूल में सेवाधर्म प्रमुख था, सदाचार था, मानवीय गहन संवेदना, दया, करुणा, प्रेम, सहानुभूति जैसे गुणों द्वारा प्राणी मात्र पर विजय प्राप्त करने की बात थी, जिन्हें प्रभु राम के जीवन में हम देखते हैं। राम के इसी आदर्श और गुणों का गायन संत तुलसीदास ने मानस ग्रंथ में किया है, जिसे रामलीला रूप में विजय दशमी पर्व पर मंचित किया जाता है।

ऐसे अनेक राष्ट्रीय पर्व हमारे इतिहास के महत्वपूर्ण अंग हैं। जो हमारी सांस्कृतिक विजय के प्रतीक बन जाते हैं। मानव जीवन में पर्वों-त्योहारों का महत्व यह है कि वे हमें अपने अतीत की समृद्धियों से जोड़ते हैं। भले वे रूढ़ परंपराओं के रूप में चले आ रहे हों, तो भी जन-जीवन को उनसे प्रेरणा मिलती है।

दीपावली, नवरात्र, रामनवमी, जन्माष्टमी, रक्षाबंधन और महावीर बुद्ध जैसे महापुरुषों की जयंतियां जैसे पर्व युग-युग के इतिहास के विभिन्न अध्यायों के रूप में हम देखते हैं। प्रत्येक पर्व मानव के जीवन पथ को प्रकाशित करता है। पर्वों को मनाने का अर्थ ही यह है कि उस इतिहास का नए सिरे से स्मरण कर जीवन में प्रगति लाई जाए। पर्व का अर्थ है क्रमिक विकास।

एक पर्वत के बाद दूसरे ऊंचे शिखर पर चढ़ना। पर्वों की उपयोगिता यह है कि वे राष्ट्र को उन्नति के शिखरों तक ले जाते हैं। राम की विजय दिखाकर रावण का पुतला फूंक देना मात्र पर्व नहीं है।

दीपावली की मिठाइयां और दीपका एक दिन के उत्सव के लिए नहीं हैं, उसमें राम की विजय उज्ज्वल आलोक बनकर हमारे अन्तस को जगमगा देता है। उस प्रकाश में हम अपने जीवन का मूल्यांकन करते हैं और राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त के इन प्रश्नों का उत्तर हमारा अन्तःकरण स्वयं देने लगता है। हम कौन थे क्या हो गए हैं और क्या होंगे अभी? उत्तर में तब ऋग्वेदर के वे आदर्श मूर्त हो आते हैं जिसके जीवन में प्रकाश ही प्रकाश है।

विजय दशमी पर भगवान राम का स्मरण हम करते हैं। रामलीला में उनके चरित्र और गुणों का गायन होता है। राम को अवतारी पुरुष कहा गया है। राजा दशरथ के घर उनका जन्म होता है। किंतु अपने पावन चरित्र और सद्गुणों के कारण वे भगवान कहलाने लगते हैं। गुणों ही की तो पूजा होती है। गुणों के कारण देवताओं की पूजा हम करते हैं। राम, कृपा आदि को पूजते हैं, दशरथ और बसुदेव की पूजा कोई नहीं करता। कभी किसी कुल में ऐसे महापुरुष भी जन्म लेते हैं। जिनके पैदा होने से कुल का नाम ही बदल जाता है। सूर्यकूल में राम के पूर्वज राजा रघु इतने प्रतापी राजा हुए कि सूर्यकुल रघुकुल नाम से प्रख्यात हो जाता है। आगे राम रघुकुल सूर्य बनते हैं। साक्षात भगवान के रूप। प्राचीन ग्रंथों में भगवान, देवता, ईश्वर आदि नाम पारिभाषिक हैं, वहां भगवान शब्द की परिभाषा इस प्रकार की गई है।

ऐश्वर्यस्य समग्रस्यः शौर्यस्य यशसः श्रियः
ज्ञान वैराग्ययोश्चैव षषगंभग इतीरणा।

अर्थात संपूर्ण ऐश्वर्य, शौर्य, यश, लक्ष्मी, ज्ञान और वैराग्य इन छह गुणों को भग कहा गया है। यह भग जिसे प्राप्त हो, उसी को भगवान कहा जाता रहा है। भगवान बनने के लिए उपर्युक्त छह गुणों में सामंजस्य होना जरूरी है,वे एक-दूसरे के पूरक हों। अकेले ऐश्वर्यशाली को कभी भगवान नहीं कहा गया, ऐश्वर्य के साथ शौर्य होना जरूरी है, वरना ऐश्वर्य को कोई छीन ले जाएगा।

ऐश्वर्य और शौर्य पाकर दूसरों पर अत्याचार करने वाला भी भगवान नहीं बन सका, उसका यशस्वी होना भी जरूरी है। वह दूसरों को आश्रय देने वाला भी बने और अपने आश्रितों को सन्मार्ग दिखाने का ज्ञान भी रखता हो। उक्त पांचों गुणों के रहते यदि त्याग भावना (वैराग्य) नहीं तो भी भगवान कहलाने योग्य नहीं। अतः सर्वस्व त्याग करने की क्षमता भी होनी चाहिए। इन छह गुणों का समुच्चय जिनके चरित्र में हुआ, वे भगवान कहलाने लगे। विजयादशमी भगवान राम का उत्सव पर्व है, जहां राम के द्वारा पतित एक अहिल्या का उद्धार होता है। किंतु गाथा-साहित्य में आकर राम का नाम और चरित्र लाखों-करोड़ों के लिए पतित पावन बन जाता है। ऐसे पर्वों-त्योहारों को मनाने की सार्थकता तभी है जब उनके चरित्र और गुणों को हम अपने जीवन में उतारते हैं।

बलूचिस्तान में आत्मघाती हमले में एक जवान शहीद, 13 घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने बलूचिस्तान प्रांत में एक आत्मघाती हमले को नाकाम कर दिया, हालांकि मुठभेड़ में फ्रंटियर कोर का एक जवान मारा गया और 13 घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट में सहायक आयुक्त नवीद आलम ने बताया कि आतंकवादियों ने तीन मोर्चों से झोब के सबकजई क्षेत्र में संयुक्त प्रतिक्रिया केंद्र में घुसने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि एक आत्मघाती हमलावर ने भी इमारत में घुसने का प्रयास किया लेकिन सुरक्षा बलों ने उसे मार गिराया। सेना की मीडिया शाखा ने एक बयान में कहा कि हमलावरों को खदेड़ने के लिए चलाए गए अभियान में एक अन्य आतंकवादी भी मारा गया। साथ ही कहा कि फ्रंटियरकोर के एक जवान की जान चली गई, जबकि 11 जवान और दो नागरिक घायल हुए हैं।

अमेरिका की सोने की खदान में फंसे 12 लोग, एक की मौत , 11 को बचाया गया, लिफ्ट खराब होने की जांच शुरु

कोलोराडो। अमेरिका के कोलोराडो में सोने की पूर्व खदान में लिफ्ट खराब हो गई जिसमें 12 लोगों घंटों जमीन के नीचे फंसे गए जिसमें एक शख्स की मौत हो गई, जिससे वहां का स्थानीय प्रशासन में खलबली मच गई। काफी कोशिशों के बाद उन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने बताया कि इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि क्रिपल क्रीक शहर के पास स्थित मोली कैथलीन गोल्ड माइन में लिफ्ट नीचे की ओर जा रही थी, लेकिन सतह से करीब 500 फुट नीचे इसमें खराबी आ गई जिसके कारण लिफ्ट में लोग फंस गए और उनमें से एक व्यक्ति की मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि लिफ्ट में फंसे हुए 12 लोग जमीन से करीब एक हजार फुट नीचे थे। उन्होंने कहा कि अभी तक पता नहीं चल पाया है कि लिफ्ट कैसे खराब हुई। अधिकारी ने मृतकों की पहचान नहीं बताई है। उन्होंने बताया कि लिफ्ट में मौजूद 11 लोगों को बचा लिया गया जिसमें से चार लोगों को मामूली चोटें आई हैं। यह खदान 1800 के दशक में खुली और 1961 में बंद हो गई, लेकिन अब भी इसका पर्यटन के लिए इस्तेमाल होता है और पर्यटकों को खदान के अंदर घूमने की सुविधा दी जाती है। इस दौरान पर्यटक खदान में एक हजार फुट नीचे तक जा सकते हैं।

मिल्टन तूफान से 16 लोगों की मौत, बवंडर और बाढ़ से 120 घर तबाह, 30 लाख घरों-ऑफिसों में बिजली नहीं

वॉशिंगटन । अमेरिका में मिल्टन तूफान से आए बवंडर और बाढ़ ने तबाही मचा दी है। हरिकेन की वजह से फ्लोरिडा में अब तक 16 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, करीब 30 लाख घरों और ऑफिसों में बिजली नहीं है। तूफान की वजह से 120 घर तबाह हो चुके हैं। सेंट्रल फ्लोरिडा में मिल्टन की वजह से 10-15 इंच तक की बारिश हुई, जिसकी वजह से बाढ़ आ गई। अमेरिकी कोस्टगार्ड ने गुरुवार को मैक्सिको की खाड़ी में फंसे एक शख्स को रेस्क्यू किया। वह एक लाइफ जैकेट और कूलर के भरोसे पानी में अपनी जान बचाने की कोशिश कर रहा था। मिल्टन फ्लोरिडा से टकराने वाला साल का तीसरा तूफान है। गुरुवार को यह फ्लोरिडा के सिएस्टा में समुद्री तट से टकराया। इससे पहले ये कैटेगरी 5 का तूफान था। टकराते वक्त ये कैटेगरी 3 का हो गया था। तूफान की वजह से अमेरिका के नेशनल वेदर सर्विस ने 126 बवंडरों की वॉर्निंग जारी की थी।

नसरल्लाह की मौत के बाद अब इजराइल की नजर हिज्बुल्लाह के टॉप तीन कमांडर पर, कहां छिपे हैं तीनों किसी को नहीं है जानकारी, बड़े हमले की कर रहे तैयारी

येरुशलम,(ईएमएस)। इजराइल ने लगातार हिज्बुल्लाह पर हमले कर रहा है। हसन नसरल्लाह, हाशिम सफीद्दीन और फौद शुक्र सहित अब तक हिज्बुल्लाह के 11 टॉप कमांडर ढेर हो चुके हैं। इस बीच अब लड़ाकों की उम्मीदें हिज्बुल्लाह के तीन टॉप कमांडर्स पर टिकी हुई हैं। ये टॉप कमांडर कहां हैं और इनकी प्लानिंग क्या है, ये किसी को पता नहीं है। यह तीन कमांडर्स नईम कासिम, तलाल हामिह और अबु अली रिदा हैं। शेख नईम कासिम को 1991 में तब हिज्बुल्लाह के जनरल सेक्रेट्री अब्बास अल-मुसावी ने डिप्टी लीडर बनाया था। अगले ही साल अल मुसावी के काफिले को 1992 में इजराइली अपाचे हेलिकॉप्टर ने निशाना बनाया था, जिसमें उसकी मौत हो गई थी। इसके बाद नसरल्लाह ने कमान संभाली, लेकिन नईम कासिम अपनी भूमिका में बने रहे। तलाल हामिह की बात करें तो को तलाल होस्नी हामिह, इस्मत मजरानी या अबू जाफर के नाम से भी जाना जाता है। वह हिज्बुल्लाह के बाहरी संचालन का इंचार्ज है, जिसे यूनिट 910 के नाम से भी जाना जाता है, जो दुनिया भर में गुप्त अभियानों की देखरेख करता है। तलाल हामिह को हिज्बुल्लाह की पहली पीढ़ी का हिस्सा माना जाता है, जो 1980 के दशक के मध्य में संगठन से जुड़े। तलाल उन कुछ लोगों में शामिल हैं, जिनका हसन नसरल्लाह से सीधा जुड़ाव था। अबु अली रिदा हिज्बुल्लाह की बदर डिवीजन का कमांडर है। इजरायल की सेना उसका पता लगाने के लिए लगातार ऑपरेशन चला रही है, लेकिन उसके ठिकाने की किसी को जानकारी नही है। बताया जा रहा है कि हिज्बुल्लाह के टॉप कमांडर पर एक के बाद एक होते हमले को देखते हुए, वह किसी अज्ञात ठिकाने पर छिपा हुआ है। हिज्बुल्लाह इजराइल पर जोरदार हमले की तैयारी में जुटा है।

चीन की एनाकोंडा रणनीति से बिलबिलाने लगा ताइवान

ताईपे। जिस तरह एनाकोंडा धीरे-धीरे अपने शिकार को जकड़ता है, और उसकी सांस की नली को दबाकर जीवन को खत्म कर देता है, वैसे ही चीन, ताइवान को आतंकित करने, उसका गला घोंटने के लिए एक मल्टी डायमेंशनल रणनीति बना रहा है। चीन इस रणनीति को तब तक चलाएगा, जब तक कि ताइवान आत्मसमर्पण न कर दे। ताइवान के आकलन के अनुसार, चीनी सेनाएं धीरे-धीरे लेकिन निश्चित रूप से द्वीप देश के चारों ओर अपनी उपस्थिति बढ़ा रही हैं। चीन ने ताइवान पर कब्जे के लिए एनाकोंडा रणनीति का इस्तेमाल कर रहा है। यह स्वशासित ताइवान को घेरने की चीन की सबसे नई रणनीतिक है। इसका पहला लक्ष्य ताइवान की सेना को थकाना है। अमेजन के वर्षावन में पाए जाने वाले एनाकोंडा अपने छलावरण और धैर्य के लिए जानें जाते हैं। वे अक्सर घंटों या दिनों तक इंतजार करते हैं जब तक कि अनजान शिकार हमला करने की सीमा में न आ जाए। जब शिकार उसकी पहुंच में होता है, तो वह तेजी से हमला करता है। यह तुरंत अपने शिकार के चारों ओर कुंडली बनाकर उसे जकड़ लेता है, जब तक कि शिकार दम घुटने से मर न जाए।ताइवान के नौसेना कमांडर एडमिरल तांग हुआ ने कहा, पीएलए (चीनी सेना) ताइवान को निचोड़ने के लिए एनाकोंडा रणनीति का उपयोग कर रहा है। एक इंटरव्यू में एडमिरल तांग ने चेतावनी दी कि चीनी सेनाएं धीरे-धीरे लेकिन निश्चित रूप से उनके देश के चारों ओर अपनी उपस्थिति बढ़ा रही हैं।

प्योंगेयोंग में उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन और उनकी बेटी किम जू एई अपनी वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिय के 79 वें स्थापना दिवस पर हुए कार्यक्रम में भाग लेते हुए।

अब अमेरिका में बंटेगी फ्री की रेवड़ी! ट्रंप का बिजली बिल आधा करने का ऐलान

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चुनावी अभियान के दौरान बड़ा ऐलान किया है उन्होंने कहा कि वह सत्ता में वापस आने पर अमेरिका के नागरिकों का बिजली का बिल आधा कर देंगे। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि अमेरिका में भी डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया है कि वह भी बिजली का बिल आधा कर देंगे। फ्री की रेवड़ी अब अमेरिका पहुंच गई है।

केजरीवाल ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि फ्री की रेवड़ी अब अमेरिका भी पहुंच गई है। उन्होंने मजाकिया लहजे में ट्रंप के इस वादे को अपनी नीतियों की तरह बताया जिसमें उन्होंने दिल्ली में बिजली के बिलों में बड़ी राहत दी थी।

पन्नू ने भारत के खिलाफ फिर उगला जहर, भारत के टुकड़े करने की दी धमकी

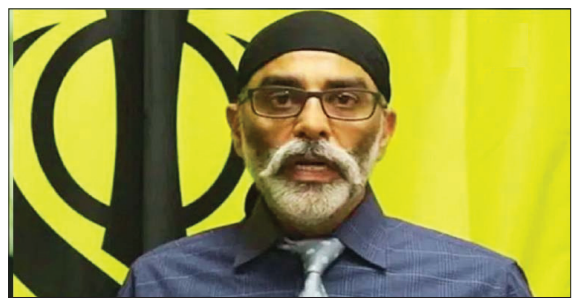

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। खालिस्तानी आतंकी पन्नू गुरपतवंत सिंह ने एक बार फिर भारत को गीधड़ भभकी दी है। उसे वीडियो जारी करके कहा है कि पंजाब के अलावा दूसरे राज्यों में भी आंदोलन चलाया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, पन्नू ने कहा कि एसजेएफ का मिशन 2024 में वन इंडिया को 2047 तक नन इंडिया करना है। खालिस्तानी ने यह वीडियो कनाडा के विदेश मामलों के डिप्टी मिनिस्ट डेविड मोरिसन के ताजा बयान के बाद जारी किया है। मोरिसन ने बीते दिनों कहा था, कनाडा की नीति एकदम साफ है। भारत की क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान किया जाना चाहिए। भारत एक है और यह पूरी तरह से स्पष्ट कर दिया गया है।

खालिस्तानी संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसजेएफ) पंजाब से अलग खालिस्तान स्टेट बनाने की मांग कर रहा है और इसे लेकर वह कथित तौर पर ग्लोबल रेफरेंडम तैयार करने में जुटा है। हालांकि, पन्नू की इस मांग का पंजाब के भीतर शायद ही कोई समर्थन करता हो। मालूम हो कि गुरपतवंत सिंह पन्नू अमेरिका के न्यूयॉर्क में रहता है और वकालत करता है। उसने अपने वीडियो में जम्मू-कश्मीर, असम, मणिपुर और नागालैंड में पूर्ण आजादी आंदोलन चलाने की धमकी दी, जैसा की पंजाब में करने का प्रयास है।

खालिस्तानी पन्नू ने अपने वीडियो में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से भी गुहार लगाई। उसने कहा कि जिनपिंग अपनी सेना को आदेश दें और अरुणाचल प्रदेश को वापस लेने का यही समय है। उसने यह झूठा दावा भी किया कि अरुणाचल तो चीन की सीमा का हिस्सा है। पन्नू ने कहा कि एसजेएफ कनाडाई और अमेरिकी नियमों से मिलने वाली सुरक्षा का इस्तेमाल करता रहेगा। उसने कहा कि भारत की संप्रभुता को खत्म करने के प्रयास जारी रहेंगे।

पुतिन की बढ़ी टेंशन : यूक्रेन को बालाकोट वाला लड़ाकू विमान देगा फ्रांस

पेरिस। फ्रांस के रक्षा मंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने कहा कि मिराज 2000 को सबसे पहले नए इलेक्ट्रॉनिक सेल्फ डिफेंस उपकरणों से लैस करने के साथ-साथ उनमें कई अन्य गुप्त मोडिफिकेशन भी किए जाएंगे। इन मोडिफिकेशन के कारण उन्हें हवा से जमीन पर मार करने वाले मिशनों में उड़ान भरने में सहूलियतें मिलेंगी। यह काम दक्षिण-पश्चिम फ्रांस के कैजॉक्स में किया जाएगा। इस बीच, लेकोर्नू ने कहा कि यूक्रेनी पायलटों और मैकेनिकों का प्रशिक्षण जारी है। इस वर्ष जून में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन ने यूक्रेन को मिराज 2000-5 लड़ाकू विमानों देने का का ऐलान किया था। हालांकि, इस दौरान उन्होंने इन लड़ाकू विमानों की संख्या को लेकर कुछ नहीं कहा था। जब यूक्रेन को सेकेंड हैंड मिराज 2000 प्रदान किए जाने की अफ़वाहें पहली बार सामने आईं, तो यह स्पष्ट नहीं था कि ये विमान वर्तमान में फ्रांसीसी वायु सेना में शामिल आधुनिक मिराज 2000-5 एफ वेरिएंट होंगे या फिर पुराने मिराज 2000सी वेरिएंट। फ्रांस ने पुराने मिराज 2000सी को जून 2022 में रिटायर कर दिया था। फ्रांस ने यूक्रेन को डसॉल्ट मिराज 2000 लड़ाकू विमान सौंपने का ऐलान किया है। यह वही लड़ाकू विमान है, जिससे भारत ने 2019 में पाकिस्तान के बालाकोट में आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी। मिराज-2000 लड़ाकू विमानों ने पाकिस्तानी रडार से बचने के लिए जमीन के काफी करीब उड़ान भरी थी और हमला कर वापस लौट आए थे। ऐसे में डर जताया जा रहा है कि यूक्रेन भी इन लड़ाकू विमानों की मदद से रूसी सैन्य अड्डों पर एयरस्ट्राइक की योजना बना सकता है। यूक्रेन को मिलने वाले मिराज-2000 विमान अपग्रेडेड होंगे और उनकी मारक क्षमता भी काफी ज्यादा होगी। फ्रांस से मिलने वाला मिराज 2000 लड़ाकू विमान 2025 की पहली तिमाही में यूक्रेन पहुंचना शुरू हो जाएगा।

विश्वास की बुनियाद पर चलती हैं अदालतें : सीजेआई चंद्रचूड़

थिम्फू (एजेंसी)। भारत के मुख्य न्यायाधीश डॉ डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि अदालतों की बुनियाद जनता के भरोसे पर टिकी हुई है। इसलिए इसकी विश्वनीयता और जनता का विश्वास बना रहना बेहद जरुरी है। चूंकि जज जनता द्वारा चुने नहीं जाते हैं इसलिए उनकी विश्वसनीयता और वैधता के लिए जनता का विश्वास आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जनता के विश्वास से ही अदालतों को अपना नैतिक अधिकार प्राप्त होता है। भूटान के जेएसडब्ल्यू स्कूल ऑफ लॉ में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीजेआई ने ये बातें कही हैं। सीजेआई ने कहा, लोकतांत्रिक सिद्धांत में जवाबदेही आमतौर पर निर्वाचित प्रतिनिधियों से जुड़ी होती है। निर्वाचित प्रतिनिधि सीधे अपने मतदाताओं और विधायी संस्थानों के प्रति जवाबदेह होते हैं। कुल मिलाकर वे लोकप्रिय जनादेश द्वारा चुने जाते हैं। दूसरी ओर न्यायालय और न्यायाधीश संविधान या वैधानिक कानूनों के जनादेश से अपनी शक्तियां प्राप्त करते हैं।

चंद्रचूड़ ने कहा, न्याय न केवल किया जाना चाहिए बल्कि न्याय होते हुए दिखना भी चाहिए। अदालती प्रक्रिया में फंसे लोगों की तुलना में नतीजे दुर्लभ होते हैं। इसलिए न केवल संवैधानिक परिणाम बल्कि संवैधानिक यात्राएं भी मायने रखती हैं। ओपन कोर्ट सुलभ अदालतें मिशन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। प्रौद्योगिकी और सरल प्रक्रियाएं इन यात्राओं की कुंजी होंगी।सीजेआई ने कहा कि न्यायाधीशों के लिए जनता का विश्वास महत्वपूर्ण है क्योंकि हम अपने नागरिकों के दैनिक जीवन की समस्याओं से निपटते हैं। सीजेआई ने कहा, उस भरोसे को पूरा करने के लिए हमें उनके जूते में अपने पैर रखकर चलना चाहिए। उनकी वास्तविकताओं को समझना चाहिए और उनके अस्तित्व में समाधान खोजना चाहिए।सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि औपनिवेशिक संरचनाओं और कानूनी प्रक्रियाओं की पीड़ा से उभरने के बाद भारत में अदालतें सार्वजनिक धारणा के मामले में औपनिवेशिक बोझ से तुरंत मुक्त नहीं हुईं। भारतीय संविधान ने स्वतंत्रता और संप्रभु संस्थानों के एक नए युग की शुरुआत की, लेकिन यह बदलाव हमारी कानूनी प्रक्रियाओं और प्रथाओं में तुरंत परिलक्षित नहीं हुआ।

शक्तिशाली सौर तूफान पृथ्वी से टकराया, ब्लैकआउट, जीपीएस सेवाओं में गिरावट

लॉस एंजिल्स (एजेंसी)। अमेरिका नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन (एनओएए) के मुताबिक गुरुवार को एक शक्तिशाली सौर तूफान पृथ्वी से टकराया है। तूफान हेलेन और मिल्टन से निपटने के लिए किए जा रहे रिकवरी प्रयासों को यह प्रभावित कर सकता है। एनओएए के अंतरिक्ष मौसम पूर्वानुमान केंद्र (एसडब्ल्यूपीसी) के मुताबिक मंगलवार को सूर्य से कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) विस्फोट हुआ और गुरुवार सुबह 11:15 बजे (ईएसटी) करीब 1.5 मिलियन मील प्रति घंटे की गति से पृथ्वी पर पहुंचा।

मीडिया रिपोर्ट में एसडब्ल्यूपीसी के हवाले से बताया कि तूफान जी4 स्तर पर पहुंच गया। इसे जी4 जियोमैग्नेटिक स्टॉर्म वॉच के रूप में वर्गीकृत किया गया है। गुरुवार और शुक्रवार को जी4 या उससे अधिक जियोमैग्नेटिक स्टॉर्म वॉच प्रभावी रहा। एसडब्ल्यूपीसी, जियोमैग्नेटिक तूफान की स्थितियों को लेकर चेतावनियां और अलर्ट जारी करता है। एनओएए के मुताबिक रेडियो ब्लैकआउट, बिजली ग्रिड पर दबाव और जीपीएस सेवाओं में गिरावट आई है। सीएमई, सूर्य के कोरोना से चुंबकीय क्षेत्र और प्लाज्मा द्रव्यमान का बहुत बड़ा उत्सर्जन है। जब वे पृथ्वी की ओर आता है, तो पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र में बड़ी हलचल पैदा करता है, जिसे भू-चुंबकीय तूफान कहा जाता है। इससे रेडियो ब्लैकआउट, बिजली कटौती का खतरा बढ़ जाता है।

हूती विद्रोहियों ने अमेरिकी तेल शिप ओलंपिक स्पिरिट पर किया हमला

- इजराइल-अमेरिका को दिया संदेश, आक्रमण नहीं रुकेंगे तो सैन्य कार्रवाई जारी रहेगी

वाशिंगटन (एजेंसी)। यमन में हूती विद्रोहियों ने दो बड़े हमलों को अंजाम देकर ग्लोबल कम्यूनिटी का ध्यान अपनी ओर खींचा है। उनके इन हमलों ने एक बार फिर तेल व्यापार और समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर वैश्विक परिदृश्य में चिंता खड़ी कर दी है। पहला हमला अमेरिकी तेल शिप और ओलंपिक स्पिरिट पर किया गया। यह जहाज लाल सागर में स्थित था। इस ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए हुती लड़ाकों ने 11 बैलिस्टिक मिसाइलों और दो ड्रोन जहाज पर दागे। इस हमले से जहाज को भारी क्षति हुई है।

इस ऑपरेशन को संयुक्त रूप से हूती की मिसाइल फोर्स, ड्रोन एयर फोर्स, और नौसेना बलों ने मिलकर अंजाम दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह हमला दुश्मन की समुद्री गतिविधियों को नियंत्रित करने और उन्हें चेतावनी देने के उद्देश्य से किया गया था। बता दें कि लाल सागर, एक प्रमुख तेल परिवहन मार्ग है और इस हमले के बाद यह परिवहन मार्ग और ज्यादा अस्थिर हो सकता है।

हूती लड़ाकों ने दूसरा हमला हिंद महासागर में मौजूद सेंट जॉन नामक जहाज पर किया। इस हमले में क्रूज मिसाइल से जहाज पर सीधा हमला किया गया, जिससे वह भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। हूती विद्रोहियों ने इन हमलों के जरिए ये बताने की की कोशिश की है कि उनकी सैन्य शक्ति और समुद्र के बीच युद्ध लड़ने की उनकी क्षमता को कम नहीं आंका जाए साथ ही यह भी बता दिया कि वे अपने दुश्मनों के खिलाफ किसी भी स्थिति में आक्रामक कार्रवाइयां करने को तैयार हैं।

हूती बलों ने इस हमले के बाद ऐलान किया है कि वे इजराइल के खिलाफ अपनी नौसैनिक नाकेबंदी जारी रखेंगे। उनका कहना है कि जब तक इजराइल

आक्रमण नहीं रुकता, वे अपनी सैन्य कार्रवाइयों को बंद नहीं करेंगे। वे समुद्री परिचालन क्षेत्र में सक्रिय रहेंगे और अपने दुश्मनों के खिलाफ हमले जारी रखेंगे। इन हमलों के बाद, अंतरराष्ट्रीय समुदाय विशेष रूप से अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की चिंताएं बढ़ गई हैं, क्योंकि ये हमले तेल और व्यापारिक मार्गों पर सीधा असर डालते हैं। लाल सागर और भारतीय महासागर में हुई इन कार्रवाइयों ने समुद्री सुरक्षा पर गंभीर संकट पैदा कर दिया है।

बांग्लादेश के होश आए ठिकाने, हिंदुओं के हित में ले रहा बड़े फैसले

-यूनुस ने दीं दुर्गा पूजा की शुभकामनाएं

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार को हटाने के बाद कट्टरपंथियों के निशाने पर आए हिंदुओं के खिलाफ जमकर हिंसा हुई। इससे भी मन नहीं भरा तो दुर्गा पूजा के लिए जजिया टैक्स थोप दिया गया। इन फैसलों से बांग्लादेश की पूरी दुनिया में थूथू हो गई। इसके बाद पिछले कुछ दिनों में मोहम्मद यूनुस की सरकार ने कुछ बड़े फैसले लिए हैं। इसके साथ ही, खुद भी देशवासियों को दुर्गा पूजा की शुभकामनाएं दी हैं।

बांग्लादेश सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने दुर्गा पूजा की शुभकामनाएं दी हैं। एक संदेश में उन्होंने कहा कि हिंदू समुदाय के प्रमुख धार्मिक त्योहार दुर्गा पूजा के अवसर पर मैं देश के सभी हिंदू नागरिकों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा केवल हिंदू समुदाय का त्योहार नहीं है, बल्कि यह अब एक सार्वभौमिक त्योहार बन गया है। उन्होंने आगे कहा, हमारा संविधान सभी धर्मों और जातियों के लोगों को समान अधिकारों की गारंटी देता है। उन्होंने कहा, यह देश हम सभी का है। यह देश जाति और धर्म से परे सभी लोगों के लिए एक सुरक्षित निवास स्थान है।

बांग्लादेश सरकार ने देश में दुर्गा पूजा उत्सव के लिए अतिरिक्त छुट्टियों की घोषणा की। अतिरिक्त छुट्टी की घोषणा अल्पसंख्यक समूह द्वारा 8 सूत्री मांग जारी किए जाने के बाद की गई। मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के उप प्रेस सचिव अबुल कलाम आजाद ने एएनआई को बताया कि परंपरागत रूप से दुर्गा पूजा के लिए बांग्लादेश में एक दिन की छुट्टी होती थी, लेकिन इस बार दो सार्वजनिक अवकाश होंगे और इसे वीकेंड के दो दिनों में जोड़ा जाएगा, इसलिए कुल मिलाकर दुर्गा पूजा के अवसर पर बांग्लादेश में हिंदुओं को चार दिन की छुट्टियां मिल जाएंगी।उन्होंने आगे बताया कि अतिरिक्त छुट्टी को आज जारी किए जाने वाले कार्यकारी आदेश के माध्यम से क्रियान्वित किया जाएगा। आजाद ने कहा, सरकार ने बांग्लादेश में 5 अगस्त को हुए बदलाव के बाद हाल ही में हुए हमलों से प्रभावित लोगों को मुआवजा देने का फैसला किया है।

ढाका के निवासी पूजा समारोहों के लिए आशावादी हैं। उन्होंने कहा कि सभी कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने सुनिश्चित किया है कि पूजा में कोई दुर्घटना न हो। उन्होंने कहा कि सेना प्रमुखों के साथ समन्वय देखा जा रहा है, जो पहले से ही सभी स्तरों जैसे कि थाना और क्षेत्रीय स्तर पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संदेश दे रहे हैं। वहीं, एक स्थानीय निवासी ने कहा, हमें उम्मीद है कि सरकार, कानून प्रवर्तन एजेंट और सभी राजनीतिक दल भी पूजा में वॉलेंटियर के रूप में काम करने के लिए आ रहे हैं। दुर्गा पूजा के दौरान कोई अनहोनी न हो जाए, इसके लिए बांग्लादेश की सरकार ने कंट्रोल रूम बनाने का फैसला किया। इसके जरिए ही दुर्गा पूजा की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। गुरुवार को जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि कंट्रोल रूम 10 से 14 अक्टूबर तक बिल्डिंग छह के 14वें तल पर कमरा नंबर 1424 में संचालित होगा। एक वरिष्ठ सहायक सचिव को नियंत्रण कक्ष का प्रभार दिया गया है। इसके साथ ही, लोगों से आग्रह किया गया है कि पूजा उत्सव के दौरान किसी भी तरह से कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब होने पर वे दिए गए नंबर पर जानकारी दें।

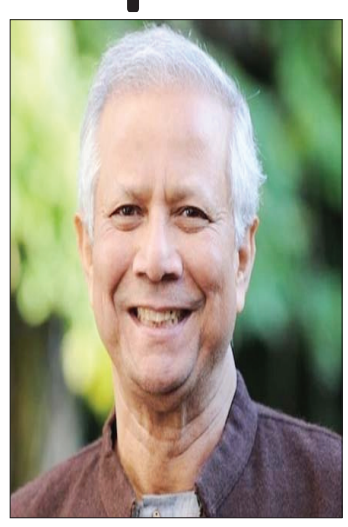

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मायावती ने किया ऐलान, अब गठबंधन नहीं करेगी बसपा

लखनऊ।बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने पार्टी के आगे के प्लान को लेकर सोशल मीडिया पर कुछ बातें कही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उत्तर प्रदेश सहित दूसरे राज्यों के चुनाव में भी बीएसपी का वोट गठबंधन की पार्टी को ट्रांसफर हो जाने, किन्तु उनका वोट बीएसपी को ट्रांसफर कराने की क्षमता उनमें नहीं होने की वजह से अपेक्षित चुनाव परिणाम नहीं मिलने से पार्टी कैडर को निराशा और उससे होने वाले आंदोलन की हानि को बचाना जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि इसी के मद्देनजर हरियाणा विधानसभा के चुनाव नतीजे और इससे पहले पंजाब चुनाव के कड़वे अनुभव के मद्देनजर आज हरियाणा और पंजाब की समीक्षा बैठक में क्षेत्रीय पार्टियों से भी अब आगे गठबंधन नहीं करने का फैसला, जबकि बीजेपी/एनडीए और कांग्रेस/इण्डिया गठबंधन से दूरी पहले की तरह ही जारी रहेगी।

इंडिगो की फ्लाइट में महिला से छेड़छाड़

नई दिल्ली। दिल्ली-चेन्नई इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट में एक महिला यात्री से छेड़छाड़ के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी की पहचान राजेश शर्मा के रूप में हुई है, जो पेशे से मार्बल टाइल बिछाने का काम करता है। राजेश को 9 अक्टूबर को चेन्नई एयरपोर्ट से लैंडिंग के बाद गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक महिला की शिकायत के बाद जांच की जा रही है। महिला ने बताया कि महिला चेन्नई लौट रही थी। प्लेन में उसके पीछे बैठे आरोपी ने उसे गलत तरीके से छुआ था। हालांकि इंडिगो एयरलाइंस ने इस घटना पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

असम में जेल से 5 कैदी भागे

मोरीगांव। असम के मोरीगांव की जिला जेल से शुक्रवार सुबह 5 अंडर ट्रायल कैदी भाग गए। मोरीगांव के जिला आयुक्त देवाशीष शर्मा के मुताबिक जेल से भागने की घटना देर रात एक से दो बजे के बीच हुई। सभी कैदी पाक्सों केस में आरोपी थे। उन्हें मोरीगांव और सोनितपुर जिलों से गिरफ्तार किया गया था। कैदियों ने कोठरी की लोहे की ग्रिल तोड़ दी और फिर चादर, कंबल और लुंगी का इस्तेमाल कर रस्सी बनाई और जेल की 20 फीट ऊंची चारदीवारी से भाग निकले। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए सर्च ऑपरेशन चला रही है।

भू-माफिया से कब्जा मुक्त कराई 30 करोड़ की जमीन

नोएडा। नोएडा में बुलडोजर लगातार अपना काम कर रहा है। यहां बुलडोजर के जरिए ही भू माफिया पर नकेल कसी जा रही है।नोएडा प्राधिकरण ने प्राधिकरण सर्किल-8 और भू लेखा विभाग ने संयुक्त प्रयास से विशेष अभियान चलाया, जिसमें सलारपुर में खसरा संख्या-700 से 711 पर छह हजार वर्गमीटर जमीन को भू-माफिया के कब्जे से मुक्त कराया गया। बताया गया कि यहां पर निर्माण, नालियां और प्लाट काटने का काम किया जा रहा था। जबकि यह जमीन मास्टर प्लान 2031 के अनुसार नियोजित है, जिसकी कीमत करीब 30 करोड़ रुपये आंकी जा रही है। वहीं, वर्क सर्किल आठ वरिष्ठ प्रबंधक अनिल कुमार ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद कागजी दस्तावेजों को खंगाला गया। जमीन प्राधिकरण की अर्जित और कब्जा प्राप्त जमीन है, जिस पर अवैध रूप से नाली बनाई जा रही थी। साथ ही जमीन पर प्लाट काटकर बेचने की कोशिश थी। उधर, जानकारी मिलते ही प्राधिकरण अधिकारियों ने नोटिस जारी कर भू-माफिया से स्वत-जमीन खाली करने को कहा। ऐसा नहीं करने पर बृहस्पतिवार दोपहर को प्राधिकरण टीम जेसीबी के साथ मौके पर पहुंची। यहां स्थानीय पुलिस बल की मदद से अवैध निर्माण को हटाया गया।

बिहार में दिल दहला देने वाली घटना : महिला वकील के घर में घुसकर उसे बेरहमी से पीटा

- महिला को निर्वस्त्र कर वीडियो बनाने लगे, विरोध किया तो मारपीट की

सहरसा । बिहार के सहरसा जिले से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां अज्ञात बदमाशों ने एक महिला वकील के घर में घुसकर उसे बेरहमी से पीटा। इतना ही नहीं उसे निर्वस्त्र कर वीडियो बनाने की कोशिश की। फिलहाल घायल महिला को एक निजी नर्सिंग होम में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार यह घटना सहरसा के सदर थाना क्षेत्र के बटराहा मोहल्ले की है। पीड़ित महिला वकील अपने घर में पूजा कर रही थीं। घटना के बारे में पीड़िता ने बताया कि सुबह लगभग 11 बजे जब वह घर पर पूजा कर रही थीं, तभी दरवाजे पर दस्तक हुई। इसके बाद दरवाजा खोलने पर चार युवक अंदर घुसे, जिनमें से एक ने चेहरा ढका हुआ था और बाकियों के चेहरे खुले थे। युवकों ने पिस्तौल तान दी और निर्वस्त्र कर वीडियो बनाने लगे। जब विरोध किया तो बदमाशों ने जमकर पिटाई की। मां ने बीच-बचाव करने की कोशिश की तो बदमाशों ने उन्हें भी पीटकर घायल कर दिया। पीड़िता का कहना है कि घटना के पीछे हाल ही में हुई एक बहस और विवाद का वजह हो सकती है। घटना से कुछ दिन पहले सुपौल में पदस्थापित सब इंस्पेक्टर नीलू कुमारी से बहस हो गई थी, जिसे लेकर विवाद बढ़ा था। महिला का आरोप है कि इस घटना के पीछे भी वही लोग हो सकते हैं। इस संबंध में पीड़ित महिला ने सहरसा के सदर थाने में इस मामले की शिकायत की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मोदी सरकार पर 10 सालों में एक भी भ्रष्टाचार का आरोप नहीं: शाह

-डिजिटल अर्थव्यवस्था और रेलवे नेटवर्क का भी विस्तार हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ पिछले दस सालों में भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा है। नीतिगत फैसले लेने में जो शिथिलता थी उसे भी खत्म कर दिया गया है और भारत को पांच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं से बाहर निकालकर एक आकर्षक स्थान में बदला है। शाह ने यहां उद्योग मंडल पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सालाना सत्र में कहा कि 2047 तक मोदी सरकार की कई नीतियों के कारण भारत दुनिया के सर्वाधिक विकसित देशों में से एक बन कर उभरेगा।

उन्होंने कहा कि जब से पीएम मोदी ने 2014 से कार्यभार संभाला है, सरकार ने कई क्षेत्रों में सुधार किए हैं। इसके परिणामस्वरूप अन्य बातों के अलावा बुनियादी ढांचा बेहतर हुआ है। संपर्क सुविधा अच्छी हुई है, डिजिटल अर्थव्यवस्था और रेलवे नेटवर्क का भी विस्तार हुआ और सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रिक वाहन के लिए विनिर्माण इकाइयों की स्थापना हुई है।

शाह ने विकसित भारत एट 2047 प्रगति के शिखर की ओर विषय पर आयोजित सत्र में कहा कि हम देश में सुधार और आर्थिक विकास लाए हैं। इस अवधि के दौरान, हमारी सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा है। इसे विपक्ष ने भी स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि पिछले दस साल में मोदी सरकार ने आतंकवाद, वामपंथी उग्रवाद और पूर्वोत्तर उग्रवाद को जमीन के 200 गज नीचे दफना दिया है। उन्होंने कहा कि जब मोदी ने सत्ता संभाली थी, तो नीतिगत फैसले और क्रियान्वयन को लेकर शिथिलता की स्थिति थी जिसे बहुत ही कम समय में निर्णायक उपायों के साथ समाप्त किया गया। सरकार ने इसे प्रदर्शन की नीति से बदल दिया है। शाह ने कहा कि एक समय भारत को पांच सबसे कमजोर अर्थव्यवस्था की श्रेणी में रखा जाता था लेकिन मोदी सरकार ने देश को उस स्थिति से बाहर निकाला और अब अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष इसे आकर्षक स्थान कहता है।

शाह ने पिछले दस सालों में गरीबों के कल्याण के लिए शुरू की गई कई कल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि मोदी सरकार 80 करोड़ लोगों को मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध करा रही है। पांच करोड़ लोगों को मुफ्त आवास दिया गया है, 12 करोड़ शौचालय बनाए गए हैं। 11 करोड़ लोगों को मुफ्त बिजली कनेक्शन और 15 करोड़ लोगों को पीने का पानी मिल रहा है। गृह मंत्री ने कहा कि भारत 50 करोड़ लोगों का बाजार था। बाकी 80 करोड़ लोग अपनी रोजी-रोटी कमाने में व्यस्त थे और उनके पास क्रय शक्ति नहीं थी। मोदी सरकार ने 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज देकर उनकी ये समस्याएं खत्म कर दीं और भारत अब 130 करोड़ लोगों का बाजार है। शाह ने कहा कि अगले 25 साल में भारत विनिर्माण, सेमीकंडक्टर उद्योग, इलेक्ट्रिक वाहन, डिजिटल अर्थव्यवस्था जैसे सभी क्षेत्रों में वैश्विक अगुवा होगा और मोदी सरकार इस दिशा में ईमानदारी से काम कर रही है।

बीजेपी सदस्यता अभियान : असम में बने 60 लाख नए सदस्य, देश में टॉप पर

गुवाहाटी। असम में बीजेपी सदस्यता अभियान के तहत 60 लाख नए सदस्य बनाने के 100 फीसदी लक्ष्य को हासिल करने के करीब है। आंकड़ों के मुताबिक असम में बीजेपी की सदस्यता 58 लाख का आंकड़ा पार कर लिया है। बीजेपी के वरिष्ठ नेता ने कहा कि राज्य इकाई ने हर एक विधानसभा क्षेत्र को 40 हजार सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया गया है। कुल 126 विधानसभा क्षेत्रों में से 91 ने पहले ही यह लक्ष्य पूरा कर लिया है। उन्होंने कहा कि त्योहारी सीजन में भी लोग हमारी पार्टी में शामिल हो रहे हैं। यह वाकई अभूतपूर्व है। केंद्रीय नेता भी हमारे प्रदर्शन से खुश हैं। वहीं असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में कहा कि असम के 91 विधानसभा क्षेत्रों में अब बीजेपी सदस्यता के तहत 40 हजार से ज्यादा सदस्य शामिल हुए हैं। बेहाली, करीमगंज उत्तर और मजबत निर्वाचन क्षेत्रों के कार्यकर्ताओं को 40 हजार से ज्यादा सदस्य बनाने में उनकी कड़ी मेहनत के लिए बधाई। 58.31 लाख नए सदस्यों के साथ असम बीजेपी अपने तय लक्ष्य के 100 प्रतिशत के करीब है। राज्य में बीजेपी नेता सदस्यता अभियान में 18 से 25 वर्ष की आयु के युवाओं पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इस बीच बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव बीएल संतोष ने कहा कि असम पार्टी के सदस्यता अभियान में 85 फीसदी लक्ष्य पूरा करके देश में सबसे आगे है।

पश्चिम बंगाल में जूनियर डॉक्टरों की भूख हड़ताल जारी, एक की तबीयत बिगड़ी

-आईएमए ने सीएम ममता को लिखा पत्र, मांगों पर ध्यान देने का किया आग्रह

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में जूनियर डॉक्टरों की भूख हड़ताल जारी है। अनशनकारियों में बैठे डॉ अनिकेत महतो की बिगड़ती तबीयत बिगड़ गई जिसमे हमारी चिंता बढ़ा दी है। यह विरोध प्रदर्शन आरजी कर अस्पताल में एक ट्रेनी डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या के बाद हुआ है, जिससे व्यापक आक्रोश फैल गया है और चिकित्सा पेशेवरों के लिए बेहतर कामकाजी परिस्थितियों और सुरक्षा की मांग की जा रही है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने जूनियर डॉक्टरों के प्रति अपना समर्थन दिया है और पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी से उनकी मांगों पर ध्यान देने का आग्रह किया है। सीएम ममता को लिखे पत्र में आईएमए ने कहा कि करीब एक सप्ताह हो गया है जब से बंगाल के युवा डॉक्टर आमरण अनशन पर हैं। आईएमए उनकी जायज मांगों का समर्थन करता है। पश्चिम बंगाल सरकार सभी मांगों को पूरा करने में सक्षम है। शांतिपूर्ण माहौल और सुरक्षा कोई विलासिता नहीं है। वे एक शर्त हैं। हम आपसे सरकार के मुखिया के रूप में युवा पीढ़ी के डॉक्टरों के साथ मुद्दों को सुलझाने की अपील करते हैं। भारत की पूरी चिकित्सा बिरादरी इसको लेकर चिंतित है और उसे भरोसा है कि आप उनकी जान बचाने में सक्षम होंगे। यदि आईएमए किसी भी तरह की मदद कर सकते हैं तो हम खुशी से मदद करेंगे। कोलकाता में जूनियर डॉक्टरों ने राज्य सरकार से जवाबदेही की मांग करते हुए अपनी हड़ताल जारी रखी है। कई डॉक्टरों ने अपनी चिंताओं पर सरकार की चुप्पी पर निराशा जताई है। मुख्य सचिव को लिखे पत्र समेत उनके पिछले संचार में इस निराशा पर प्रकाश डाला गया कि एक बैठक तय करने के लिए 96 घंटे का उपवास करना पड़ा।

जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ की कोशिश में 150 से ज्यादा आतंकी

- सीमा पार लॉन्चिंग पैड पर कर रहे इंतजार

श्रीनगर (एजेंसी)। कश्मीर घाटी में घुसपैठ करने के लिए सीमा के उस पार (पीओके) करीब 150 से ज्यादा आंतकी लॉन्चपैड पर इंतजार कर रहे हैं। इस बात की जानकारी बीएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी है। बीएसएफ अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि करीब 150 आतंकवादी सर्दियों के करीब आने के बाद कश्मीर घाटी में घुसपैठ करने के लिए नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार लॉन्चपैड पर इंतजार कर रहे हैं, लेकिन सुरक्षा बल ऐसी किसी भी कोशिश को नाकाम कर देंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक एक अधिकारी ने कहा कि सीमा पार से घुसपैठ की कोशिशें जारी हैं। अलग-अलग एजेंसियों से प्राप्त खुफिया सूचनाओं के आधार पर, हम सीमा पर अपना नियंत्रण बनाए रखने के लिए सेना के साथ समन्वय करते हैं। बीएसएफ महानिरीक्षक (कश्मीर फ्रंटियर) अशोक यादव ने कहा कि हम लॉन्चिंग पैड पर आतंकवादियों की संख्या का भी ध्यान रखते हैं, जिससे हमें किसी भी साजिश को विफल करने के लिए अपनी रणनीति को आकार देने में मदद मिलती है।

130 से 150 आतंकियों के मौजूद होने की आशंका

उन्होंने कहा कि सुरक्षा बल यह सुनिश्चित करेंगे कि घुसपैठ की किसी भी कोशिश को नाकाम कर दिया जाए। यह पूछे जाने पर कि अभी कितने आतंकवादी लॉन्चपैड पर इंतजार कर रहे हैं, उन्होंने कहा कि लॉन्चिंग पैड पर आतंकवादियों की संख्या आमतौर पर 130 और 150 के बीच होती है, कभी-कभी यह थोड़ी अधिक भी हो सकती है। जम्मू-कश्मीर में शांतिपूर्ण विधानसभा चुनाव कराने के बाद की चुनौतियों पर, अधिकारी ने कहा कि निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर पुलिस और प्रशासन के साथ मिलकर समन्वय बनाया था।

सर्दियों में आतंकी करते हैं घुसपैठ की कोशिश

उन्होंने कहा कि खतरे की कई सूचनाएं थीं, लेकिन हमारी अच्छी तरह से समन्वित योजना के साथ, हमने किसी भी हमले को रोक दिया और चुनाव सफल रहे। अशोक यादव ने कहा, अब, सर्दियां करीब आ रही हैं, तैयारियां हो रही हैं, सर्दियां शुरू होने से पहले, आतंकवादी अक्सर घुसपैठ की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि एलओसी पर घुसपैठ की संभावित कोशिशों के बारे में इनपुट हैं।

उत्तराखंड में सख्ती : शराब पीकर वाहन चलाते मिले तो ड्राइविंग लाइसेंस होगा निरस्त

देहरादून । उत्तराखंड में अब शराब पीकर अंधाधुंध गाड़ी दौड़ाने वालों पर सख्ती होगी। ऐसे चालकों के विरुद्ध परिवहन विभाग न केवल वाहन का चालान करेगा, बल्कि चालक का ड्राइविंग लाइसेंस सीधे निरस्त करने की कार्रवाई करने जा रहा है। आरटीओ (प्रवर्तन) शैलेश तिवारी ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय की ओर से निर्धारित सड़क सुरक्षा से जुड़े छह अपराध में सीधे ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी। इन अपराध में पहले तीन माह या छह माह के लिए लाइसेंस निलंबित होता था, लेकिन अब लाइसेंस के निरस्तीकरण की कार्रवाई होगी।यही नहीं, संबंधित चालक 12 माह तक नया लाइसेंस बनाने के लिए आवेदन भी नहीं कर सकेगा। आरटीओ ने बताया कि इस वर्ष जनवरी से अगस्त तक 1800 डीएल निलंबित किए जा चुके हैं। आरटीओ ने बताया कि शराब पीकर वाहन चलाने, बेलगाम गति व खतरनाक ढंग से वाहन चलाने वालों को लाइसेंस के विरुद्ध की गई निरस्तीकरण की कार्रवाई में सुनवाई का अवसर भी नहीं दिया जाएगा। हालांकि, दुपहिया पर हेलमेट न पहनने और ट्रिपल राइडिंग करने पर लाइसेंस को तीन माह के लिए निलंबित करने का नियम पूर्व की तरह यथावत रहेगा।

राहुल गांधी से छिनेगा नेता प्रतिपक्ष का पद? बीजेपी ने कर दिया ऐसा दावा कि मच सकता है सियासी तूफान

नई दिल्ली (एजेंसी)। शुक्रवार को भाजपा ने एक ऐसा दावा किया जिससे राजनीतिक चर्चा गर्म हो सकती है। दरअसल, भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज से इसको लेकर एक सवाल पूछा गया। पत्रकार का सवाल ये था कि ऐसी जानकारी मिल रही है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष का जो पद है, उसको रोटेशनल करने की बात चल रही है? इसके जवाब में बांसुरी स्वराज ने कहा कि हां बिल्कुल। मैंने यह भी सुना है कि विपक्ष के नेता का पद रोटेशनल करने की बात चल रही है। लेकिन मैं विनम्रता से कहूंगी कि यह विपक्ष का आंतरिक मामला है।

भाजपा सांसद ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि अगर उन्हें लगता है कि राहुल गांधी समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारी को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं तो उन्हें इस तरह के फैसले पर आगे बढ़ना चाहिए। भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि विपक्षी दलों में कई नेता हैं जो विपक्ष के नेता (एलओपी) के काम को संभालने में 'सक्षम' हैं, लेकिन निर्णय लेना उन पर निर्भर है क्योंकि यह उनका 'आंतरिक मामला' है।

उन्होंने कहा कि हां, विपक्षी दलों में ऐसे कई नेता जरूर हैं जो नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी निभाने में काफी सक्षम हैं। अगर भारतीय गठबंधन को लगता है कि राहुल गांधी अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से नहीं निभा पा रहे हैं तो उन्हें ऐसा फैसला लेना चाहिए। हालांकि बीजेपी के दावे पर विपक्षी दलों की ओर से कोई बयान नहीं आया था, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि कम से कम 10 प्रतिशत सीटों के साथ विपक्ष में सबसे बड़ी पार्टी के केवल एक सांसद को ही नेता प्रतिपक्ष के रूप में नियुक्त किया जा सकता है।

स्वराज ने अपनी बात जारी रखते हुए आगे कहा, ''विपक्ष के दलों में ऐसे कई नेता हैं जो नेता प्रतिपक्ष का कार्यभार संभालने के लिए काफी सक्षम हैं। अगर 'इंडिया' गठबंधन को यह लगता है कि राहुल गांधी पूरी कर्तव्यनिष्ठा से अपना पद नहीं संभाल पा रहे हैं तो यह निर्णय उन्हें लेना है।''

जेपी नड्डा ने कर दिया बड़ा दावा, बोले- महाराष्ट्र और झारखंड चुनावों में भी जीत हासिल करेगी बीजेपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा में जीत से गदगद भाजपा ने दावा किया है कि महाराष्ट्र और झारखंड में भी आगामी विधानसभा चुनावों में वह जीत हासिल करेगी। दरअसल, यह दावा किया और ने नहीं, बल्कि खुद भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने किया है। बिलासपुर में श्री नैना देवी मंदिर में मत्था टेकने और 'कंजक पूजन' करने वाले नड्डा ने कहा कि लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र की भाजपा सरकार के प्रदर्शन से खुश हैं।

नड्डा ने कहा कि आज मुझे शारदीय नवरात्रों में नवमी के दिन मां नैना देवी का आशीर्वाद लेने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। हम सब लोग माता के आशीर्वाद से प्रधानमंत्री मोदी जी के विकसित भारत के सपने को पूरा करने में अपनी पूरी ऊर्जा के साथ कार्य करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि पार्टी महाराष्ट्र और झारखंड में आगामी विधानसभा चुनावों में भी जीत हासिल करेगी। पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हरियाणा में एक भ्रम पैदा किया गया है। जमीनी हकीकत कुछ और थी लेकिन माहौल कुछ और ही बना और आखिरकार बीजेपी चुनाव जीत गई और जम्मू-कश्मीर में वोट शेयर बढ़ गया।

उन्होंने कहा कि हरियाणा के लोगों- युवाओं, किसानों, महिलाओं और अन्य सभी वर्गों - ने विपक्षी दलों को करारा जवाब दिया और स्पष्ट कर दिया कि वे प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों और नेतृत्व में विश्वास करते हैं। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में छह से आठ प्रतिशत मतदान से लेकर 60 प्रतिशत से अधिक मतदान दिखाता है कि लोग लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास करते हैं और अनुच्छेद 370 को खत्म करने का समर्थन करते हैं।

नड्डा ने कहा कि आज आतंकवाद पर नियंत्रण है और बीजेपी का शासन सिर्फ सत्ता में बैठने के लिए नहीं बल्कि देश को सुरक्षित बनाने के लिए है. दुनिया में व्याप्त परिदृश्य का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मोदी ने कहा है कि यह युद्ध का नहीं बल्कि विकास का समय है और सभी को साथ लेकर चलना चाहिए। सत्तारूढ़ भाजपा ने हरियाणा में सत्ता बरकरार रखने और विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की वापसी की कोशिश को रोकने के लिए जीत की हैट्रिक बनाई। भाजपा ने जम्मू-कश्मीर में भी 90 में से 29 सीटें जीतकर उल्लेखनीय बढ़त हासिल की। नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन केंद्र शासित प्रदेश में सरकार बनाने के लिए तैयार है।

दुनिया के ये प्रमुख तानाशाह शासक.... जो डर और ताकत के दम पर शासन करते

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया में तानाशाहों की कोई कमी नहीं है, इसका प्रमुख कारण संचार के साधनों का विस्तार है, जो हमें दुनिया के विभिन्न हिस्सों में हो रही घटनाओं के बारे में बताता है। इसके बावजूद, कई राष्ट्राध्यक्ष आज भी सभी शक्तियों को अपने हाथों में केंद्रित करने और तानाशाह बनने से नहीं डरते। इन्हें में से कुछ के बारे में हम बात रहे है।

व्लादिमीर पुतिन (रूस)

पुतिन को पश्चिमी देशों द्वारा तानाशाहों की सूची में पांचवें नंबर पर रखा गया है। पुतिन पर आरोप है कि वे रूसी नागरिकों की स्वतंत्रता को सीमित करते हैं। पुतिन आलोचना, विरोध और स्वतंत्र पत्रकारिता को सहन नहीं करते और बल प्रयोग के माध्यम से विरोध की आवाजों को दबाते हैं।

बशर अल-असद (सीरिया)

सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद ने 21 वर्षों तक शासन किया है। एक डॉक्टर होकर भी उन्होंने अपने देश को गृहयुद्ध में धकेल दिया। असद अपने विरोधियों को दबाने के लिए सेना और हथियारों का प्रयोग करने के लिए कुख्यात हैं। उनके शासन में कई पत्रकारों और नेताओं की हत्या की गई और उन पर अपने नागरिकों पर रासायनिक हमले के आरोप भी लगे हैं।

फिदेल और राउल कास्त्रो (क्यूबा)

क्यूबा के पूर्व राष्ट्रपति फिदेल कास्त्रो और उनके भाई राउल कास्त्रो पर तानाशाही से शासन करने के आरोप हैं। उन्होंने अपने शासनकाल में सैकड़ों पत्रकारों, असंतुष्टों और नागरिकों को सताया, कैद किया और मार डाला। उनके नेतृत्व में क्यूबा की आर्थिक स्थिति इतनी खराब हो गई है कि जीवन स्तर पिछले 50 वर्षों से न्यूनतम स्तर से नीचे है।

किम जोंग उन (उत्तर कोरिया)

किम जोंग उन उत्तर कोरिया के वंशानुगत राष्ट्रपति हैं। उ.कोरिया में कोई चुनाव नहीं होते, और सत्ता विरासत में मिलती है। किम जोंग उन भय पैदा करके शासन करते हैं। उत्तर कोरिया में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का कोई अस्तित्व नहीं है, और केवल राज्य मीडिया ही मौजूद है।

इसाईस अफेवेर्की (इरीट्रिया)

इरीट्रिया के राष्ट्रपति इसाईस अफेवेर्की को दुनिया का सबसे बड़ा तानाशाह बताया जाता है। उनकी तानाशाही पूरी तरह से भय और क्रूरता पर है। उन पर मानवता के विरुद्ध अपराधों का आरोप लगाया गया है, और वे करीब सभी नागरिकों को सेना में शामिल होने के लिए बाध्य करते हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

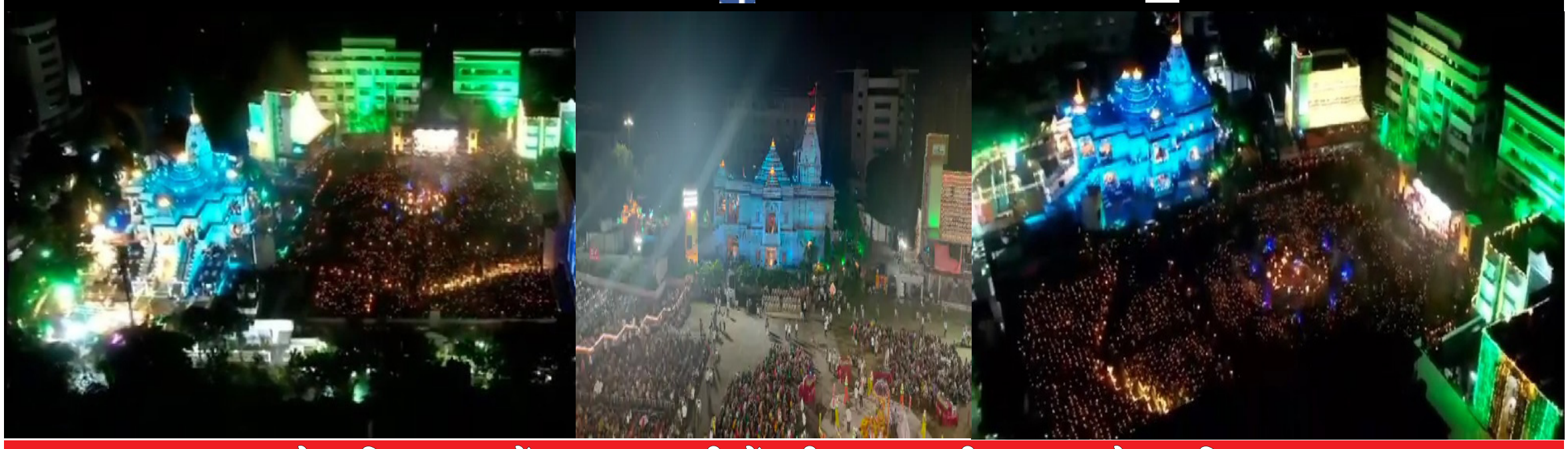

सूरत के उमियाधाम में २५ हजार दीयों की महाआरती का आयोजन किया गया

भक्तों ने बारिश के दौरान अपने हाथों में दीये लेकर आरती उतारी और "जय माताजी" का उद्घोष चारों ओर गूंजा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवरात्रि के आठवें दिन सूरत के वराछा स्थित उमियाधाम मंदिर में हजारों माई भक्तों ने हाथों में दीपक लेकर माता जी की महाआरती उतारी। महाआरती के दौरान मंदिर में लाइटिंग भी दिखाई दी। २५ हजार लोगों के हाथों में दीपकों की रोशनी से मंदिर जगमगा उठा। महाआरती में बड़ी संख्या में हरिभक्त शामिल हुए। इसके साथ ही "जय माताजी" की गूंज चारों ओर सुनाई दी।

उमियाधाम मंदिर में महाआरती का भव्य दृश्य

सूरत के वराछा स्थित उमियाधाम मंदिर में महाआरती का भव्य दृश्य देखने को मिला। नवरात्रि के पावन पर्व के आठवें दिन महाआरती का आयोजन किया गया था। हजारों भक्त मंदिर प्रांगण में माता जी की आरती उतारने के लिए एकत्रित हुए। महाआरती का अद्भुत दृश्य बना। सूरत के उमियाधाम मंदिर में हर वर्ष नवरात्रि के आठवें दिन महाआरती का आयोजन होता है, जिसमें हजारों भक्त दीप जलाकर महाआरती में भाग लेते हैं।

हजारों लोगों ने महाआरती का आनंद लिया

विवेक पटेल (उमियाधाम समिति के सदस्य) ने बताया कि हर वर्ष नवरात्रि के त्योहार के लिए उमियाधाम मंदिर को सजाया जाता है। इस वर्ष भी मंदिर को लाइटिंग से सजाया गया था। उमियाधाम मंदिर में पारंपरिक गरबा पिछले ३१ वर्षों से होता आ रहा है। यहां बड़ी संख्या में महिलाएं सिर पर गरबा लेकर नृत्य करती हैं, जिससे वातावरण दिव्य बन जाता है। हर वर्ष यहां आध्यात्मिक माहौल बनता है। हजारों लोग इस महाआरती का लाभ लेने के लिए दो घंटे पहले ही आ जाते हैं। 'जय माताजी' की गूंज से मंदिर प्रांगण भर गया।

पिछले वर्ष आठवें नवरात्रे पर मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी थी। 'जय माताजी' की गूंज से मंदिर प्रांगण भर गया था। भव्य महाआरती का आयोजन हुआ था। एक साथ ३५ हजार दीपकों की महाआरती शुरूहोते ही अद्भुत दृश्य देखने को मिला था। दीपकों की रोशनी से मंदिर परिसर जगमगा उठा था।

श्री श्याम मंदिर में १०८ कन्याओं का हुआ पूजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, श्री श्याम सेवा ट्रस्ट द्वारा नवरात्री की अष्ठमी के उपलक्ष में १०८ कन्याओं का पूजन रविवार को सवा ग्यारह बजे श्री श्याम मंदिर के लखदातार हॉल में किया गया. इस अवसर पर सभी कन्याओं की पूजा की गयी एवं उन्हें प्रसाद परोसा गया. ट्रस्ट द्वारा सभी कन्याओं को दक्षिणा के साथ जीवन उपयोगी सामान भी दिया गया. ट्रस्ट द्वारा नवरात्री के पूजा-पाठ की पूर्णाहुति के अवसर पर शाम साढ़े सात बजे से मंदिर प्रांगण में हवन भी किया गया.

जल संचय-जन भागीदारी-जन आंदोलन अभियान

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

विकास मॉडल के रूप में प्रसिद्ध गुजरात का जल संचय जनभागीदारी अभियान पूरे देश के लिए रोल मॉडल बने, इसके लिए सूरत में रहने वाले मध्यप्रदेश, राजस्थान और बिहार के व्यापारी-उद्योगपति और समाज के प्रमुख लोग आगे आए हैं। आगामी १३ अक्टूबर को रविवार को राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहनयादवजी, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजल्लाल शर्मा और बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की उपस्थिति में इंदौर स्टेडियम में जल संचय जन भागीदारी-जन आंदोलन अभियान का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

केंद्रीय जलशक्तिमंत्री सी.आर. पाटिल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने २०२१ में 'कैच द रेन' प्रोजेक्ट की शुरुआत की थी। इस अभियान के तहत गांव का पानी गांव में और सीमांत पानी सीमा में संग्रह करने की प्रधानमंत्री की सोच थी। इस अभियान के तहत गुजरात में जल संचय जनभागीदारी अभियान की शुरुआत हाल ही में सूरत से की गई। राज्यभर में ८०,००० से अधिक रेन वाटर हार्वेस्टिंग कार्यों के लिए प्रतिबद्धता मिल चुकी है।

गुजरात, एमपी, राजस्थान के मुख्यमंत्री सूरत आएंगे, जल संचय जनभागीदारी का मॉडल पूरे भारत के लिए रोल मॉडल बनेगा: पाटिल

उधना में मामूली बहस के बाद हुए झगड़े में दोस्त की हत्या

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

उधना में मामूली बहस के बाद हुए झगड़े में एक दोस्त ने अपने साथी के साथ मिलकर अपने दोस्त की हत्या कर दी। पुलिस ने मृतक प्रवीण के भाई किशोर सोनवणे की शिकायत पर आरोपी दोस्त अविनाश उर्फ विक्की हरीश बेडसे और आकाश मोहन बावीसकर के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है।

युवक की इलाज के दौरान मौत

उधना के भीमनगर में रहने वाले ३४ वर्षीय प्रवीण उर्फ पविया शालिग्राम सोनवणे और उसके दोस्त अविनाश के बीच गाली-गलौच को लेकर झगड़ा हुआ। इस झगड़े में अविनाश और उसके साथी आकाश ने प्रवीण को बुरी तरह पीटा, जिसमें प्रवीण का हाथ रिक्शे के शीशे से टकराकर फट गया। दोनों आरोपी प्रवीण को १०८ एंबुलेंस से तुरंत अस्पताल ले गए, जहां थोड़े समय के इलाज के बाद उसकी मौत हो गई। मृतक प्रवीण अविवाहित था। आरोपी अविनाश उर्फ विक्की बेडसे और मृतक प्रवीण दोनों मजदूरी का काम करते थे।

प्रवीण को धक्का-मुक्की कर पीटा गया था

८ अक्टूबर को प्रवीण और उसके दोस्त अविनाश के बीच बहस के बाद झगड़ा हुआ। उसी समय अविनाश का दोस्त आकाश भी वहां पहुंचा और दोनों ने मिलकर प्रवीण को धक्का-मुक्की कर पीटा। धक्का लगने से प्रवीण का हाथ रिक्शे के शीशे से टकराया और कांच टूटने से उसके हाथ में चोट लगी। कांच से हाथ निकालने की कोशिश करते समय उसका हाथ बुरी तरह से कट गया था।

बंध का दुःख का तो संवर और निर्जरा मोक्ष का हेतु शांतिदूत आचार्यश्री महाश्रमण

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

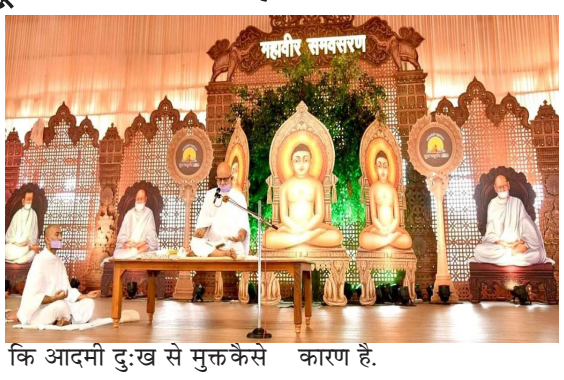

सूरत, शुक्रवार को जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्मसंघ के वर्तमान अधिशास्ता, भगवान महावीर के प्रतिनिधि, शांतिदूत आचार्यश्री महाश्रमणजी ने महावीर समवसरण में उपस्थित जनता को दुनिया में मनुष्यों के लिए दुःख भी होता है और सुख भी होता है. दुःख जन्म के रूप में हो सकता है, बुढापे के रूप में हो सकता है, बीमारी के रूप में हो सकता है, मृत्यु के संदर्भ में हो सकता है. शारीरिक और मानसिक रूप में भी दुःख हो सकता है. शारीरिक दुःख को जरा और मानसिक दुःख को शोक कहते हैं. जरा और शोक दो प्रकार के दुःख मनुष्यों के सामने आते हैं.

प्रश्न हो सकता है कि आदमी दुःख से मुक्त कैसे हो? दुःखमुक्तिका मार्ग गणधर आचार्य आदि अपने धर्मकथा और प्रवचन आदि के माध्यम से मानवों को दुःख मुक्ति का मार्ग बताते हैं. दुःख से मुक्ति के लिए आचारांगभाष्य में चार बातें बताई गई हैं. बंध है तो दुःख है. बंध पुण्य और पाप के रूप में भी होता है. आश्रव को बंध का कारण बताया गया है. दूसरे शब्दों में कहा जाए तो कर्मों का कर्ता आश्रव ही होता है. बंधन से मुक्ति और मोक्ष की प्राप्ति भी हो सकती है. मोक्ष का हेतु संवर होता है. संवर और निर्जरा को मोक्ष के कारण है.

मनुष्यों के दुःख से मुक्ति का उपाय कुशलजन बताते हैं. प्रवचन करने वाले लोगों को दुःख से मुक्ति का मार्ग बताते हैं. प्रवचन करना भी सेवा का कार्य हैं. यहां भी प्रवचन होता है और बहिर्विहार में रहने वाले साधु-साध्वियां भी अपने ढंग से प्रवचन आदि का प्रयास करते हैं. प्रवचन करने में जो कुशल होते हैं, ज्ञानी और त्यागी हैं वे दुःख मुक्तिका उपाय बताते हैं. संवर और निर्जरा दुःख मुक्ति का उपाय है.